शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 73 | गुवाहाटी | गुरुवार, 10 अक्तूबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ईसी ने की सफल चुनावों के लिए सुरक्षा बलों रेलवे और वायुसेना अधिकारियों की सराहना पेज 2
लखीपुर एवं गुवाहाटी से चार अपहरणकर्ता गिरफ्तार पेज 3
एसओजी ने पांच ट्रेनी एसआई को लिया हिरासत में, कभी भी गिरफ्तारी संभव पेज 5
मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए... पेज 7

महासप्तमी आज

मुख्यमंत्री ने कई दुर्गा पूजा पंडालों का दौरा किया, दी राज्यवासियों को शुभकामनाएं

गुवाहाटी। देशभर में बुधवार को दुर्गा पूजा 2024 की महा षष्ठी मनाई जा गई। गुवाहाटी भी इस उत्सव से अछूता नहीं रहा और बड़ी संख्या में भक्तों के साथ-साथ राज्य के मुख्यमंत्री ने भी कई पूजा पंडालों का दौरा किया और देवी मां की पूजा-अर्चना की। उधर बुधवार को इस साल के दुर्गा पूजा समारोह का भव्य आयोजन शुरू हो गया क्योंकि आज दुर्गा पूजा 2024 की महा षष्ठी है। इस अवसर पर पूजा पंडालों में मूर्तियों को स्थापित किया गया है और पंडालों में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। समारोह के लिए सभी पूजा पंडालों को सजाया और रोशन किया गया है। महा षष्ठी के बाद से पंडालों में पूजा अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। ये अनुष्ठान महा दशमी तक जारी रहेंगे, जो आने वाले सप्ताहांत में पड़ रही है। शहर भर के पूजा पंडालों में दिन भर बड़ी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी। कई स्थानों पर सुबह-सुबह ही पंडालों में मूर्ति स्थापित होने के तुरंत बाद अनुष्ठान शुरू हो गए, जबकि कई अन्य स्थानों पर दोपहर में ही उत्सव शुरू हो गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दुर्गा पूजा 2024 की महा षष्ठी के अवसर पर कई पूजा पंडालों का दौरा किया। उन्होंने देवी मां से आशीर्वाद मांगा और नागरिकों की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उन्होंने बड़ी संख्या में भक्तों और पूजा समिति के सदस्यों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं, जिन्होंने मुख्यमंत्री का उत्सुकता से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर कहा कि चूंकि दुर्गापूजा 2024 उत्सव शुभ षष्ठी के साथ शुरू हो रहा है, इसलिए मैंने कामरूप (एम) के विभिन्न पूजा पंडालों में मां दुर्गा की पूजा की। पूरे राज्य में सामुदायिक दुर्गा पूजा हमारी परंपराओं को आगे बढ़ा रही है और मुझे खुशी है कि हम उनके प्रयासों में उनकी सहायता करने में सक्षम हैं। उधर शारदीय दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने असम के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में डॉ. शर्मा ने सनातन सभ्यता और संस्कृति की गहरी जड़ों को दर्शाया, जहां देवताओं की पूजा हमेशा एक -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य सरकार बाढ़ से निपटने के लिए दो सौ करोड़ रुपए निवेश करेगी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को घोषणा की कि राज्य सरकार गुवाहाटी शहर में अचानक आई बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और आने वाले दिनों में एक मजबूत बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। शर्मा ने एक्स को लिखा कि हमारा ध्यान जलवायु परिवर्तन के कारण गुवाहाटी में शहरी बाढ़ की चुनौतियों से निपटने के लिए लचीला बुनियादी ढांचा बनाने पर है। हम आने वाले दिनों में हस्तक्षेप करने के लिए 200 करोड़ का निवेश कर रहे हैं, जिससे इस गंभीर समस्या को कम करने में मदद मिलेगी। इस साल मानसून के मौसम में गुवाहाटी के लोगों को बाढ़ के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। पूरा शहर कई बार थम सा गया और सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पहले आरोप लगाया था कि गुवाहाटी के बाहरी इलाके में जोराबाट पहाड़ियों में एक निजी -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा (आई) कैडर ने भारत-म्यांमार सीमा पर आत्मसमर्पण किया

नई दिल्ली। यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (इंडिपेंडेंट) के एक सदस्य ने असम-म्यांमार सीमा के पास हथियार डाल दिए हैं। कौशिक गोहाईं उर्फ निरंत असोम ने नामपोंग स्थित असम राइफल्स शिविर में आत्मसमर्पण कर दिया। गोहाईं डिब्रूगढ़ जिले के चबुआ इलाके के कंजीखोवा गांव के रहने वाले हैं। उनके आत्मसमर्पण से प्रतिबंधित अलगाववादी समूह को एक और झटका लगा है, जो दशकों से असम में सक्रिय है। अधिकारी इस घटनाक्रम को पूर्वोत्तर राज्य में शांति लाने के लिए चल रहे प्रयासों में एक कदम आगे के रूप में देख रहे हैं।

मोदी कैबिनेट ने लिया बड़ा फैसला

दिसंबर 2028 तक गरीबों को मिलेगा मुफ्त अनाज

नई दिल्ली। केंद्रीय कैबिनेट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है जिसके अनुसार गरीबों को मुफ्त अनाज देने की योजना को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है। यह फैसला विशेष रूप से उन परिवारों के लिए राहत भरा है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करना है। सरकार का मानना है कि इस पहल से सामाजिक और आर्थिक विकास में -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

शत्रु के गुण को भी ग्रहण करना चाहिए।

- आचार्य चाणक्य

हरियाणा चुनाव नतीजा : गठबंधन दलों की कांग्रेस को सीख

नई दिल्ली (हि.स.)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों पर इंडी गठबंधन के साथियों ने कांग्रेस को सीख दी है। शिवसेना-उद्धव ठाकरे के सांसद संजय राउत ने कहा कि हरियाणा में इंडिया गठबंधन नहीं बन पाया क्योंकि कांग्रेस को लगता था कि वे अपनी ताकत पर जीत जाएंगे तो सत्ता में कोई और भागीदार नहीं चाहिए। कांग्रेस के जो नेता हैं, हुड्डा, उन्हें लगा की वे ही जीतेंगे। मैं मानता हूं कि भाजपा ने जो चुनाव लड़ा है वो बहुत ही बेहतरीन तरीके से लड़ा है। हारी हुई -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस की बयानबाजी से ईसी नाराज, खड़गे से मांगा जवाब

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों को कांग्रेस पार्टी की तरफ से अस्वीकार्य और अप्रत्याशित बताए जाने पर चुनाव आयोग ने अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का पत्र लिखा है। आयोग ने चुनावी नतीजों पर पार्टी अध्यक्ष के बयान पर आपत्ति जताई है। चुनाव आयोग के पत्र में लिखा गया है कि आयोग ने आपके और विपक्ष के नेता के बयानों पर गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और कांग्रेस इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों/शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। इस उचित धारणा पर आगे बढ़ते हुए कि पार्टी अध्यक्ष का बयान चुनावी नतीजों पर पार्टी की औपचारिक स्थिति है। इसके साथ ही चुनाव आयोग ने आज शाम 6 बजे कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर सहमति भी जताई है। इसके साथ चुनाव आयोग ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के हरियाणा के नतीजे अस्वीकार्य वाले बयान को देश की समृद्ध लोकतांत्रिक विरासत में अनसुना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के वैध हिस्से से बहुत दूर करार दिया। बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने कहा कि पार्टी नेताओं जयराम रमेश और पवन खेड़ा की ऐसी टिप्पणियां वैधानिक और नियामक चुनावी ढांचे के अनुसार व्यक्त की गई लोगों की इच्छा को अलोकतांत्रिक तरीके से खारिज करने की ओर ले जाती हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि उसने मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों पर भी गौर किया है, जिसमें हरियाणा के नतीजों को अप्रत्याशित बताया गया है और पार्टी इसका विश्लेषण करने और अपनी शिकायतों के साथ चुनाव आयोग से संपर्क करने का प्रस्ताव रखती है। चुनाव आयोग ने कहा कि उसे कांग्रेस के 12 सदस्यीय -शेष पृष्ठ दो पर

डीएसपी हत्याकांड में दस को उम्रकैद की सजा

लखनऊ (हि.स.)। लखनऊ की सीबीआई कोर्ट ने बुधवार को बहुचर्चित पुलिस उपाधीक्षक जियाउल हक की हत्या में आरोपित बनाए गए फूलचंद यादव, पवन यादव, मंजीत यादव, घनश्याम सरोज, राम लखन गौतम, छोटेलाल यादव, राम आसरे, मुन्ना पटेल, शिवराम पासी, जगत बहादुर पाल उर्फ बुल्ले पाल को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वर्ष 2013 में प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा सर्किल में पुलिस उपाधीक्षक पद पर तैनात जियाउल हक की लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी गई थी। जियाउल हक की हत्या कांड में आरोपितों पर 15-15 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। जुर्माने की प्राप्त राशि में से 50 फीसदी जियाउल हक की पत्नी परवीन को देय होगा। गौरतलब है कि नन्हे -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

अरुणाचल : भूस्खलन से चार लोगों की मौत तीन घायल

इटानगर (हि.स.)। अरुणाचल प्रदेश के पापूम पारे जिला के कार्सिंगस में बुधवार की सुबह भारी बारिश के कारण अरुणाचल प्रदेश परिवहन सेवा (एपीएसटीएस) की केंद्रीय कार्यशाला की दीवार ढह जाने से चार लोगों की जान चली गई और तीन अन्य घायल हो गए। घटना -शेष पृष्ठ दो पर

क्वाड देशों का बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास शुरू

नई दिल्ली (हि.स.)। हमेशा से चीन के लिए किरकिरी बना क्वाड देशों का बहुराष्ट्रीय समुद्री अभ्यास मालाबार बुधवार से विशाखापट्टनम में शुरू हुआ। पूर्वी नौसेना कमान की मेजबानी में उद्घाटन समारोह भारतीय नौसेना जहाज सतपुड़ा पर हुआ। समुद्री अभ्यास का 28वां संस्करण 18 अक्तूबर तक चलेगा। इसमें भारत के अलावा अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाएं महत्वपूर्ण समुद्री जुड़ाव के रूप में हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

पहली कैबिनेट में पास होगा जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने का प्रस्ताव : उमर

श्रीनगर (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि एनसी-कांग्रेस सरकार अपनी पहली कैबिनेट बैठक में जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पारित करेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि जम्मू-कश्मीर में सरकार सुचारू रूप से चलेगी। सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए नेशनल कांफ्रेंस गुरुवार को विधायक दल की बैठक बुलाएगी। उमर अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुझे उम्मीद है कि सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए केंद्र पर दबाव डालते हुए एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा। उमर ने कहा कि हमारे और दिल्ली में एक अंतर है। दिल्ली कभी पूर्ण राज्य नहीं था और किसी ने दिल्ली को राज्य का दर्जा देने का वादा भी नहीं किया था। इसके विपरीत जम्मू-कश्मीर 2019 से पहले एक राज्य था, जिसे अनुच्छेद 370 हटाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। उमर ने कहा कि प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और अन्य वरिष्ठ मंत्रियों ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का -शेष पृष्ठ दो पर

रतन टाटा की हालत गंभीर, अस्पताल भर्ती : सूत्र

मुंबई। भारत के सबसे बड़े समूह टाटा संस के मानद चेयरमैन रतन टाटा की हालत गंभीर है और उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कराया गया है। बुधवार को दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। 86 वर्षीय टाटा ने सोमवार को कहा कि वह अपनी उम्र और संबंधित चिकित्सा स्थितियों के कारण नियमित चिकित्सा जांच से गुजर रहे हैं। बुधवार को उनकी स्थिति के बारे में जानकारी के लिए किए गए अनुरोध पर टाटा के प्रतिनिधि ने तुरंत कोई जवाब नहीं दिया।

गुमराह करने वाले विज्ञापनों पर होगा एक्शन, आयुष मंत्रालय ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मद्देनजर आयुर्वेद, सिद्दा और यूनानी दवा के भ्रामक विज्ञापनों पर आयुष मंत्रालय ने चेतावनी जारी की है। मंत्रालय ने कंपनियों को दवा के फायदों पर झूठे दावों से दूरी बनाने की सलाह दी है। साथ ही दवा के लेबल डॉक्टर की देखरेख में ही लेने की एडवाइजरी भी जारी करने के लिए कहा है। भ्रामक विज्ञापनों पर शिकंजा कसते हुए अप्रत्याशित दावों पर भी कंपनियों को वॉर्निंग दी है। आयुष मंत्रालय ने बताया कि अगर कंपनियां दवाओं को लेकर गुमराह करने वाले विज्ञापन देंगी तो सरकार -शेष पृष्ठ दो पर

आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक दावे करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पारंपरिक चिकित्सा पद्धति में लोगों की अटूट आस्था का फायदा उठाकर आयुर्वेद के नाम पर झूठे और भ्रामक दावे करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जरूरत पर बल दिया है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के आठवें स्थापना दिवस समारोह में बुधवार को राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद की प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए अनुसंधान में निवेश, दवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार और आयुर्वेद के अध्ययन से संबंधित शैक्षणिक संस्थानों के सशक्तीकरण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद दुनिया की सबसे पुरानी चिकित्सा प्रणालियों में से एक है। यह दुनिया को भारत का अमूल्य उपहार है। आयुर्वेद मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन बनाए रखते हुए समग्र स्वास्थ्य प्रबंधन पर जोर देता है। राष्ट्रपति ने कहा कि हम हमेशा से अपने आसपास के पेड़-पौधों के औषधीय महत्व के प्रति जागरूक रहे हैं और उनका उपयोग करते रहे हैं। आदिवासी समाज में जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों के ज्ञान की परंपरा और भी समृद्ध रही है लेकिन जैसे-जैसे समाज आधुनिकता को -शेष पृष्ठ दो पर

रसायन विज्ञान में डेविड बेकर, डेमिस हस्साबिस और जॉन जंपर को मिलेगा नोबेल पुरस्कार

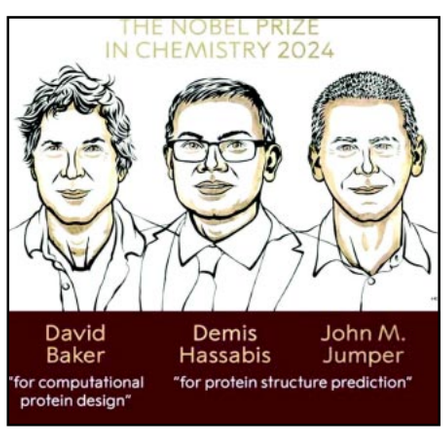

नई दिल्ली। रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार इस साल डेविड बेकर, डेमिस हस्साबिस और जॉन जंपर को प्रोटीन पर उनके अनुसंधान के लिए प्रदान किया जाएगा। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेस के महासचिव हैंस एलेग्रेन ने बुधवार को उनके नाम की घोषणा की। बेकर सिएटल में यूनिवर्सिटी ऑफ वाशिंगटन में जबकि हस्साबिस और जंपर लंदन में गूगल डीपमाइंड संस्थान में काम करते हैं। नोबेल समिति ने कहा कि 2003 में बेकर ने एक नया प्रोटीन डिजाइन किया था और तब से उनके अनुसंधान समूह ने एक के बाद एक कल्पनाशील प्रोटीन का निर्माण किया है, जिसमें ऐसे प्रोटीन शामिल हैं। जिनका उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, टीकों, नैनोमैटेरियल और छोटे सेंसर के रूप में किया जा सकता है। समिति ने कहा कि हस्साबिस और जंपर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ईसी ने की सफल चुनावों के लिए सुरक्षा बलों रेलवे और वायुसेना अधिकारियों की सराहना

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने बुधवार को लोकसभा तथा जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों के निर्बाध और शांतिपूर्ण संचालन में महत्वपूर्ण और सराहनीय योगदान के लिए गृह मंत्रालय, अर्धसैनिक बलों, भारतीय वायु सेना और रेलवे के अधिकारियों का एक कार्यक्रम में आभार व्यक्त किया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने इस दौरान चुनाव अधिकारियों के साथ सुरक्षा बलों के समन्वित प्रयासों से निभाई गई अनुकरणीय भूमिका की सराहना की, जिसके परिणामस्वरूप पिछले लोकसभा चुनावों में न्यूनतम पुनर्मतदान और हिंसा की लगभग न के बराबर घटनाएं हुईं। कार्यक्रम में गृह मंत्रालय के सचिव, सीपी (दिल्ली पुलिस), सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीएसएफ, आईटीबीपी, आरपीएफ के महानिदेशक और महानिरीक्षक, गृह मंत्रालय, सीएपीएफ, वायु सेना, रक्षा मंत्रालय और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कुमार ने कहा कि लोकसभा 2024 के चुनावों में सुरक्षा बलों की बड़े पैमाने पर तैनाती गई है। चुनाव आयोग हिंसा और उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों में मतदाताओं के लिए शांतिपूर्ण और भय मुक्त वातावरण बनाए रखने और चुनाव अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने में सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता को सलाम करता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव का सबसे उल्लेखनीय पहलू प्रबंधन रहा। संवेदनशील और दुर्गम इलाकों में मतदाताओं तक पहुंचने से जुड़ी जटिलता थी। ऐसे में चुनाव सामग्री, मतदान कर्मियों और सुरक्षा अधिकारियों के परिवहन में भारतीय वायुसेना की हवाई उड़ानों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बंगाईगांव में बेटे ने की मां की हत्या

बंगाईगांव (हिंस)। जहां एक ओर राज्य भर में दुर्गा पूजा की धूम मची हुई है। वहीं, दूसरी ओर राज्य से लगातार एक के बाद एक पुत्र-पुत्रियों द्वारा अपनी माताओं की हत्या करने की खबरें आ रही हैं। नवरात्रि के मौके पर राज्य में अबतक तीन माताओं की हत्या पुत्रों के हाथों की जा चुकी है। इसी प्रकार की दिल दहला देने वाली एक खबर बंगाईगांव जिले से आज आयी, जहां एक युवक ने अपनी मां की हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि युवक ने बीती रात धारदार हथियार से अपनी मां पर हमला किया। यह घटना बंगाईगांव शहर के वार्ड नंबर 21 में हुई। प्रणव सूत्रधर (22) नामक आरोपी ने अपनी मां मेनका सूत्रधर (45) का मांस काटने वाले हथियार से गर्दन काट दिया। जिसके बाद तत्काल ही उसकी मौत हो गई। पेशे से मांस व्यापारी युवक ने पारिवारिक कलह के कारण अपनी मां की हत्या कर दी। मां की हत्या करने के बाद आरोपी हथियार के साथ बंगाईगांव थाने में जाकर आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है।

चावल से लदा ट्रक जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ), असम की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चला कर भारी मात्रा में चावल समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने बुधवार को बताया कि खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की एक टीम ने कामरूप (ग्रामीण) जिले के चांगसारी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मदनपुर टोल प्लाजा पर एक ट्रको (एएस-19एसी-5078) को रोका। वाहन में अवैध रूप से (बिना किसी वैध कागजात के 30 टन (600 पैकेट) एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) मिश्रित चावल (परिमल) ले जाते हुए पाया गया।

आरजी कर मामला : सीबीआई को मिले सबूतों से संजय को फांसी मिलना तय

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या के मामले की जांच कर रही सीबीआई ने चार्जशीट दायर कर दी है। सीबीआई ने अपनी चार्जशीट में आरोपी संजय रॉय पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सीबीआई ने 11 सबूत पेश किए हैं, जिसमें डीएनए और ब्लड रिपोर्ट शामिल है। पुलिस ने संजय रॉय को गिरफ्तार कर उसे एकमात्र आरोपी माना था। सीबीआई भी संजय को एकमात्र आरोपी मानकर चल रही है। सीबीआई ने चार्जशीट में बताया कि पीड़िता के शरीर पर आरोपी के डीएनए की मौजूदगी, छोटे बाल, शरीर पर चोट के निशान, पीड़िता के खून के धब्बे मिले हैं। सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड के अनुसार संजय की मोबाइल फोन की लोकेशन का भी जिक्र है। सीबीआई ने बताया कि संजय रॉय के शरीर पर खरोंच के निशान भी हैं। संभवत पीड़िता ने उससे बचने के लिए संघर्ष किया होगा, जिस वजह से आरोपी के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। चार्जशीट में आगे कहा गया है कि 8-9 अगस्त की रात आरोपी क्राइम सीन पर मौजूद था। सीसीटीवी फुटेज से इसकी पुष्टि हुई है। वह अस्पताल की इमरजेंसी बिल्डिंग में तीसरी मंजिल पर घटनास्थल के पास था। सीडीआर में मिली उसकी मोबाइल लोकेशन से भी इसकी पुष्टि होती है। जांच एजेंसी ने मृतक महिला को चार्जशीट में *वी* नाम दिया है। इसमें कहा गया कि ऑटोपसी के दौरान वी के शव पर आरोपी का डीएनए मिला है। आरोपी की जींस और जूते पर पीड़िता के खून के धब्बे थे। पुलिस ने इसको आरोपी के खुलासे के बाद 12 अगस्त को बरामद किया था। वहीं, घटनास्थल पर मिले बाल आरोपी से मेल खाते हैं।

घूंसा मारकर की व्यक्ति की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हिंस)। दुर्गा पूजा के हर्षोल्लास के बीच माजबाट के बाहिपुखुरी टी इस्टेट के नारायण किसान नामक व्यक्ति ने दीपक गायन नामक शख्स की घूंसा मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि मामूली कहासुनी पर आरोपी ने मृतक के सीने में घूंसा मार दिया। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने नारायण किसान को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार माजबाट के नाहरबारी एक नंबर लाइन के निवासी दीपक गायन और बाहिपुखुरी चाय बागान के लाइन 8 के नारायण किसान के बीच झगड़ा हो गया था। दोनों के बीच बहस हुई। इसी दौरान आरोपी ने मृतक के सीने में घूंसा मार दिया, जिससे दीपक गायन जमीन पर गिर गया। परिजन तुरंत घायल दीपक को लेकर अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए उदालगुड़ी सिविल अस्पताल भेज दिया गया। उधर, परिजनों की शिकायत के आधार पर माजबाट पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की है।

UNKNOWN MALE DEAD BODY

UNIDENTIFIED DEAD BODY

The above is the photograph of one Unknown male dead body (about 10 yrs.) recovered from ICP near By pass road, PS-Chabua, Dist-Dibrugarh, Assam.

This refers to Chabua P.S. GDF No. 1 dt 4.10.2024.

The Descriptive roll of the Dead body.

(a) Complexion - Swarthy.
(b) Age - 40 years approx.

All out efforts may be taken to trace out the family members of the dead person at the earliest and result thereof may be intimated to OC Chabua over M/No. 8638820803 for further necessary action.

Superintendent of Police
Dibrugarh, Assam

-- Janasanyog /D/7414/24/10-Oct-24

पृष्ठ एक का शेष

मुख्यमंत्री ने कई दुर्गा ...

मार्गदर्शक प्रकाश रही है। उन्होंने कहा कि ये पवित्र परंपराएं भारतीय आध्यात्मिक दर्शन का सार दर्शाती हैं, जो ईश्वरीय संबंध की भावना को पोषित करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदिक युग से मनाया जाने वाला त्योहार दुर्गा पूजा मानवतावाद और नैतिक मूल्यों के सिद्धांतों के आधार पर लोगों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि शारदीय दुर्गा पूजा न केवल एक धार्मिक त्योहार है, बल्कि प्रेम, भाईचारे और एकजुटता का उत्सव भी है, जो लोगों को सद्भाव की भावना से जोड़ता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्राचीन कामरूप राज्य के समय से प्रचलित दुर्गा पूजा की समृद्ध परंपरा राज्य की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस त्यौहार का सार- बुराई पर विजय प्राप्त करके सत्य की रक्षा करना- शांति और सद्भाव का संदेश लेकर आता है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि शारदीय दुर्गा पूजा असम में एकता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए सभी को सामूहिक रूप से काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

राज्य सरकार बाढ़ ...

विश्वविद्यालय और अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई के कारण शहर में अचानक बाढ़ आई। उन्होंने दावा किया कि असम के करीमगंज जिले के एक बंगाली मूल के मुस्लिम व्यक्ति के स्वामित्व वाला निजी विश्वविद्यालय - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) गुवाहाटी में *बाढ़ जिहाद* छेड़ रहा है। शर्मा के अनुसार, 2008 में स्थापित विश्वविद्यालय ने पिछले कुछ वर्षों में जोराबाट पहाड़ियों में बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की और पहाड़ियों से पानी गुवाहाटी में आ गया, जिससे शहर में गंभीर जलभराव हो गया। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में हाल ही में बनाए गए मेडिकल कॉलेज के निर्माण को भी दोषी ठहराया और कहा कि नए निर्माण के कारण पहाड़ियों में वनों की कटाई कई गुना बढ़ गई है। शर्मा ने यहां तक सुझाव दिया कि असम के छात्रों को विश्वविद्यालय में पढ़ना बंद कर देना चाहिए और वहां निर्माण कार्य अपने आप बंद हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि गुवाहाटी के शिक्षकों को भी यूएसटीएम में जाना बंद कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्राधिकरण ने नई इमारतों के निर्माण के दौरान किसी आर्किटेक्ट की मदद नहीं ली। अगर उन्होंने ऐसा किया होता, तो पहाड़ियों में पेड़ों को बचाया जा सकता था। उन्होंने (यूएसटीएम) पहाड़ियों को बहुत ही निर्दयी तरीके से बुलडोजर से काटा है। हालांकि, यूएसटीएम प्राधिकरण ने असम के मुख्यमंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया और विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि यूएसटीएम परिसर क्षेत्र री-भोई जिले के जोराबाट तक बारिदुआ क्षेत्र का एक छोटा सा हिस्सा है, जो जीएस रोड के दोनों ओर बड़े पैमाने पर विकसित हुआ है। यूएसटीएम परिसर कुल पानी का शायद एक छोटा सा हिस्सा ही देता है, जो किलिंग रोड से विभिन्न नालियों के माध्यम से सड़क के दोनों ओर जीएस रोड [गुवाहाटी-शिलांग रोड] तक बहता है। प्रवक्ता ने कहा कि कैंपस के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए मेघालय सरकार से सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हैं और मेडिकल कॉलेज के निर्माण का काम दिल्ली और मुंबई स्थित सलाहकारों द्वारा किया जा रहा है और इसकी समीक्षा आईआईटी विशेषज्ञों द्वारा भी की गई है। यूएसटीएम में लगभग 6,000 छात्र हैं और विश्वविद्यालय को 2021 में एनएएसी मान्यता में *ए* ग्रेड प्राप्त हुआ।

हरियाणा चुनाव नतीजा...

बाजी भाजपा ने जीत ली है, ये मानना पड़ेगा। देश में कोई ऐसा नहीं कह रहा था कि भाजपा आ रही है लेकिन भाजपा आ गई। वहीं शिवसेना के मुखपत्र सामना में लिखा गया कि पिछली दफा मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में एक तरह का माहौल था कि भाजपा सत्ता में नहीं आएगी, लेकिन कांग्रेस की आंतरिक अव्यवस्था भाजपा के लिए मुफीद साबित हुई। सवाल खड़ा हो गया है कि क्या पूर्व सीएम भूपिंदर सिंह हुड्डा ने हरियाणा में कांग्रेस की नैया डुबो दी है। हुड्डा की भूमिका इस तरह थी कि जैसे कांग्रेस के सूत्रधार वही हैं और जिसे वे चाहें वही कैंडिडेट होगा। शिवसेना (यूबीटी) की ही सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि इंडिया गठबंधन ने जम्मू और कश्मीर ने अच्छा काम किया है और सरकार बनने वाली है लेकिन हरियाणा में कांग्रेस ने ही ये लड़ाई लड़ी है। वहां पर गठबंधन बन नहीं पाया था और उन्हें हार का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस में इतने लोग शामिल हो रहे थे, भाजपा पर सवाल उठाए जा रहे थे। सबने खारिज कर दिया था भाजपा को फिर भी वो जीतकर आई, ये उनके लिए बधाई का विषय है। उधर तृणमूल कांग्रेस के सांसद साकेत गोखले ने हांलाकि न हरियाणा का नाम लिया और न ही कांग्रेस का, लेकिन एक्स पर जो पोस्ट लिखी, वह एक सीख ही थी। उन्होंने लिखा कि इसी तरह का रवैया चुनाव हरवाता है। अगर हमें लगता है कि हम जीतने वाले हैं, तब हम किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को महत्व नहीं देंगे। लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियां हमें अपने साथ रखे। अहंकार, एकाधिकार और क्षेत्रीय पार्टियों को कम करके देखना घातक साबित हो रहा है, इससे सबक सीखना चाहिए। आम आदमी पार्टी (आआपा) नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा के लिए कुछ नहीं किया, इसके बावजूद कहीं न कहीं कांग्रेस की रणनीति में कमी थी इसलिए जीत हासिल करने में नाकाम रही। आआपा के ही नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने एक्स पर लिखा कि मैं हरियाणा चुनाव को भाजपा की जीत कम और कांग्रेस पार्टी की हार ज्यादा मानता हूं। मेरा यह मानना है कि अगर हम एकजुट होकर चुनाव लड़ते तो नतीजे अलग हो सकते थे। वहीं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आश्चर्यजनक नतीजे(हरियाणा में) आए हैं लेकिन लोकतंत्र में जनता मालिक है और जनता जिसको चुनती है, उसका हम स्वागत करते हैं। (जम्मू-कश्मीर में) एकतरफा परिणाम आया है। भारतीय कम्युनिष्ट पार्टी के महासचिव डी.राजा ने भी कहा है कि हरियाणा के चुनाव परिणामों से कांग्रेस को सबक सीखना चाहिए और महाराष्ट्र के साथ ही झारखंड के विधानसभा चुनावों में गठबंधन को प्राथमिकता देनी चाहिए। हरियाणा विधानसभा के नतीजे पर कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा ने कहा कि बहुत ज्यादा निराशा हुई है। सभी कार्यकर्ताओं ने जमीन पर मेहनत की है। पार्टी को इसको लेकर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

कांग्रेस की बयानबाजी ...

आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के लिए बैठक का समय मांगने का अनुरोध मिला है, जिसमें हरियाणा के चुनावी नतीजे अस्वीकार्य वाला बयान देने वाले लोग भी शामिल हैं। हरियाणा में चुनावी नतीजे सामने आने के बाद कांग्रेस पार्टी ने उसे अप्रत्याशित और अस्वीकार्य करने वाला नतीजा बताया था। दरअसल कांग्रेस नेताओं का आरोप था कि कई सीटों पर नतीजे ईवीएम की मदद से बदल दिए गए। कांग्रेस के अनुसार कई सीटों पर जहां ईवीएम 90 फीसदी बैटरी चार्ज था वहां नतीजे भाजपा के पक्ष में आए और जहां ईवीएम की बैटरी 70-80 फीसदी चार्ज थी वहां कांग्रेस पार्टी ने जीत हासिल की है। हरियाणा चुनाव में हार के लिए चुनाव आयोग से सवाल करने पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को कहा कि विपक्षी पार्टी को जनता के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि विपक्षी पार्टी विधानसभा क्षेत्रों से शिकायतों से चुनाव आयोग को अवगत कराएगी, किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर कहा कि अब, ईवीएम और चुनाव आयोग को फिर से दोष न दें। उन्होंने कहा कि लोगों के फैसले का सम्मान करना और उसे स्वीकार करना सीखें।

पहली कैबिनेट में पास ...

दर्जा बहाल करने का वादा किया था। यह भी कहा गया था कि जम्मू-कश्मीर में तीन कदम उठाए जाएंगे जिसमें परिसीमन, चुनाव और फिर राज्य का दर्जा शामिल था। उन्होंने कहा कि परिसीमन हो चुका है, अब चुनाव भी हो चुके हैं, इसलिए केवल राज्य का दर्जा बचा है, जिसे बहाल किया जाना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि जम्मू-कश्मीर की नई सरकार और केंद्र के बीच समन्वय की आवश्यकता कितनी महत्वपूर्ण है, एनसी नेता ने कहा कि नई दिल्ली के साथ टकराव से कुछ हासिल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लोगों ने टकराव के लिए वोट नहीं दिया है। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने इसलिए वोट दिया है, क्योंकि वे रोजगार चाहते हैं, वे विकास चाहते हैं, वे राज्य का दर्जा बहाल करना चाहते हैं, वे बिजली और अन्य मुद्दों का समाधान चाहते हैं। नई दिल्ली के साथ टकराव से इन मुद्दों का समाधान नहीं होगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करने के लिए नेशनल कांफ्रेंस गुरुवार को विधायक दल की बैठक बुलाएगी। उसके बाद गठबंधन सहयोगियों की बैठक होगी, जिसमें गठबंधन नेता का चुनाव किया जाएगा और फिर हम सरकार गठन का दावा पेश करने के लिए राजभवन जाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में नई सरकार बन जाएगी। इस सवाल पर कि क्या पीडीपी गठबंधन सरकार का हिस्सा होगी, एनसी नेता ने कहा कि अभी इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि पीडीपी ने हमसे कोई संपर्क नहीं किया है। हमने उनसे कोई संपर्क नहीं किया है। इस चुनाव के नतीजों को देखते हुए मुझे लगता है कि उनके लिए काफी झटका है, मुझे लगता है कि इस समय मैं समझ सकता हूं कि कुछ आंतरिक चर्चा चल रही होगी। उन्होंने कहा कि कभी-कभी अगर संचार का कोई रास्ता खुलता है तो हम बैठकर उनसे बात करेंगे लेकिन फिलहाल यह हमारे लिए प्राथमिकता नहीं है। उन्होंने कहा कि 2018 से जम्मू-कश्मीर के लोगों की बात अनसुनी हो रही है। अब समय आ गया है कि हम जम्मू-कश्मीर के लोगों के फायदे के लिए काम करें। मैं इस तथ्य से भी अच्छी तरह वाकिफ हूं कि कश्मीर और जम्मू के बीच एक तीव्र विभाजन है और इसलिए आने वाली सरकार पर जम्मू के लोगों को स्वामित्व की भावना देने की एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में आने वाली सरकार एनसी या गठबंधन की सरकार नहीं होगी या यह गठबंधन के लिए वोट करने वालों की सरकार नहीं होगी, यह जम्मू-कश्मीर के हर एक व्यक्ति की सरकार होगी, चाहे उन्होंने किसे वोट दिया हो या उन्होंने वोट दिया हो या नहीं। उन्होंने कहा कि सरकार के भीतर उन क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया जाएगा, जहां से इस गठबंधन में विधायकों की संख्या कम होगी। उपराज्यपाल की ओर से पांच विधायक नामित किये जाने केक मुद्दे पर एनसी उपाध्यक्ष ने मनोज सिन्हा को ऐसा न करने की सलाह दी, क्योंकि उन पांच विधायकों को नामित करने के बाद भी भाजपा सरकार नहीं बना पाएगी। आप केवल विपक्ष में बैठने के लिए पांच विधायकों को नामित करेंगे और विवाद होगा। तब फिर हमें सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना होगा, जबकि हम केंद्र के साथ सौहार्द्रपूर्ण संबंध रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पांच विधायकों के नामांकन से सरकार गठन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने वाले कुछ निर्दलीय पहले से ही हमारे संपर्क में हैं और वे हमारे साथ आएंगे और हम अपनी बढ़त बढ़ाएंगे। इन पांच विधायकों को नामित करने से भाजपा को कुछ हासिल नहीं होगा।

गुमराह करने वाले ...

एक्ट के तहत उनपर पेनाल्टी लगाई जा सकती है। इसके साथ ही राज्यों के लाइसेंस अथॉरिटी और मंत्रालय को रिपोर्ट करने की सलाह भी दी है। मंगलवार को मंत्रालय ने कहा कि मरीजों के उपचार के लिए *चमत्कार* का दावा करने वाली दवाओं का विज्ञापन अवैध है। ऐसे विज्ञापन सार्वजनिक स्वास्थ्य को *खतरे में डाल सकते हैं।* एक सार्वजनिक नोटिस में मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी आयुर्वेदिक, सिद्धा, यूनानी और होम्योपैथिक (एएसयू एंड एच) कंपनी या उसकी दवा को न प्रमाणित करता है और न ही किसी कंपनी को बिक्री के लिए इसे बनाने का लाइसेंस देता है। इसके अलावा मंत्रालय ने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके अंतर्गत नियमों के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार, किसी भी दवा बेचने वाली कंपनी को लाइसेंस संबंधित राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के लाइसेंसिंग प्राधिकरण से दिया जाता है। पिछले काफी महीनों में एलोपैथी के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन से जुड़े कई मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की है। मई में एक केस के दौरान केंद्र सरकार के आयुष मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया। मंत्रालय ने इस मामले में बताया था कि 2018 से लेकर अबतक 36,040 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने बताया कि अब तक 354 भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ करवाई की जा चुकी है। देशभर में सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्थान से मिली है। यहां अबतक सबसे ज्यादा 206 भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ लाइसेंसिंग अथॉरिटी ने कार्रवाई की गई है, वहीं केस दर्ज होने के मामले में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 4,230 मामले दर्ज किए हैं।

डीएसपी हत्याकांड में ...

यादव केस में जियाउल हक अपने कार्य दिवस के दिन उस गांव में पूछताछ के लिए गए थे, जहां नन्हे की मौत हुई थी। उस दौरान नन्हे के परिवार वालों एवं ग्रामीणों ने उनके ऊपर लाठी डंडे से हमला कर दिया था। इस हमले में जियाउल हक की मौत हो गई थी। इस मामले में कुंडा के विधायक रघुराज प्रताप सिंह भी नामजद थे, जिन्हें बाद में क्लीन चिट दे दी गई थी।

आयुर्वेद के खिलाफ ...

अपनाता गया और प्रकृति से दूर होता गया, हमने उस पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करना बंद कर दिया। घरेलू उपचार अपनाने की तुलना में डॉक्टर से दवा लेना आसान हो गया। अब लोगों में जागरुकता बढ़ रही है। आज पूरी दुनिया में इंटीग्रेटिव सिस्टम ऑफ मेडिसिन का विचार लोकप्रिय हो रहा है। विभिन्न चिकित्सा प्रणालियां एक-दूसरे की पूरक प्रणालियों के रूप में लोगों को स्वास्थ्य प्रदान करने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद के प्रति हमारा पीढ़ी दर पीढ़ी का अटूट विश्वास है। इसी विश्वास का लाभ उठा कर कुछ लोग भोली-भाली जनता का नुकसान करते हैं। भ्रामक प्रचार और झूठे दावे करते हैं। ये लोग न केवल जनता के पैसे और स्वास्थ्य का नुकसान करते हैं, बल्कि आयुर्वेद को भी बदनाम करते हैं। ऐसे लोगों के प्रति कठोर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। साथ ही बड़ी संख्या में चिकित्सकों की आवश्यकता है जिससे सामान्य लोगों को अशिक्षित चिकित्सकों के पास न जाना पड़े। इस संदर्भ में *आयुष्मान आरोग्य मंदिर* एक महत्वपूर्ण पहल है। पिछले कुछ वर्षों में देश में आयुर्वेद कॉलेजों और उनमें पढ़ने वाले विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में योग्य आयुर्वेदिक डॉक्टरों की उपलब्धता और बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद का विकास न केवल मनुष्यों के लिए बल्कि पशुओं और पर्यावरण के लिए भी लाभकारी होगा। बहुत से पेड़-पौधे इसलिए विलुप्त हो रहे हैं क्योंकि हमें उनकी उपयोगिता के बारे में पता नहीं है। जब हम उनका महत्व जानेंगे तो उनका संरक्षण करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि अलग-अलग चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोग अक्सर दावा करते हैं कि उनकी पद्धति सबसे अच्छी है। आपस में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा होना अच्छी बात है लेकिन एक-दूसरे की आलोचना करने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। अलग-अलग चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों के बीच सहयोग की भावना होनी चाहिए। सभी का उद्देश्य रोगियों को ठीक करके मानवता का भला करना है। हम सभी *सर्वे सन्तु निरामया:* की प्रार्थना करते हैं - सभी को रोग मुक्त होना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुर्वेद की प्रासंगिकता सुनिश्चित करने के लिए हमें अनुसंधान और औषधियों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार पर ध्यान केंद्रित करना होगा। हमें आयुर्वेद शिक्षण संस्थानों को भी सशक्त बनाने की आवश्यकता है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने पारंपरिक शिक्षा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर कम समय में ही आयुर्वेदिक चिकित्सा, शिक्षा, अनुसंधान और समग्र स्वास्थ्य सेवा में अपना महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है।

रसायन विज्ञान में ...

ने एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल तैयार किया, जो लगभग उन सभी 20 करोड़ प्रोटीन की संरचना का पूर्वानुमान व्यक्त करने में सक्षम है, जिनकी पहचान अनुसंधानकर्ताओं ने की है। पिछले वर्ष रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार अमेरिका के 3 वैज्ञानिकों मौंगी बावेंडी, लुई ब्रूस और एलेक्सी एकिमोव को सूक्ष्म *क्वांटम डॉट्स* पर उनके काम के लिए प्रदान किया गया था। इस साल के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा सोमवार से शुरू हुई। माइक्रो आरएनए की खोज के लिए अमेरिकी वैज्ञानिकों विक्टर एंब्रोस और गैरी रुवकुन को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा सोमवार को की गई। मंगलवार को जॉन होपफील्ड और ज्योफ्री हिंटन को मशीन लर्निंग को सक्षम बनाने वाली खोजों के लिए भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की गई। गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की जाएगी। शांति के लिए नोबेल पुरस्कार की घोषणा शुक्रवार को और अर्थशास्त्र के लिए यह घोषणा 14 अक्तूबर को की जाएगी। नोबेल पुरस्कार के तहत 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर (करीब 10 लाख अमेरिकी डॉलर) राशि प्रदान की जाएगी। विजेताओं को पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि 10 दिसंबर पर एक समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

अरुणाचल : भूस्खलन से ...

आज तड़के करीब 1.30 बजे हुई जब दीवार विपरीत दिशा में गिर गई, जिसके चलते चार लोगों की मौत हो गई। इनकी पहचान उर्मिला विश्वास, विकास विश्वास, मुकीबुर रहमान और पॉल के रूप में की गई है। घायलों में आकाश विश्वास, राकेश विश्वास और अरुण अली के रूप में पहचान की गई है। नाहरलगुन के पुलिस अधीक्षक मिहिन गाबो ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और तत्काल सहायता प्रदान की। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जिला प्रशासन को सूचित कर दिया गया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया गया है।

क्वाड देशों का ...

लेंगी। मालाबार अभ्यास 1992 में भारत और अमेरिका के बीच शुरू किया गया था, जिसमें बाद में जापान और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हो गए। पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल राजेश पेंढारकर ने समारोह में भाग लेने वाले देशों के वरिष्ठ नौसैनिक और सैन्य गण्यमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। इनमें जापान के चीफ ऑफ स्टाफ, ज्वाइंट स्टाफ जनरल योशीहिदे योशिदा, अमेरिकी प्रशांत बेड़े के कमांडर एडमिरल स्टीफन कोहलर, जापान सेल्फ डिफेंस फ्लीट के कमांडर-इन-सी वाइस एडमिरल कात्सुशी ओमाची और ऑस्ट्रेलियाई बेड़े के कमांडर रियर एडमिरल क्रिस स्मिथ शामिल थे। समारोह में ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के भाग लेने वाले जहाजों, विमानों और विशेष बलों के चालक दल और कर्मचारी भी मौजूद थे। भाग लेने वाली सभी नौसेनाओं के कमांडरों ने आम समुद्री चुनौतियों का समाधान करने और सहकारी ढांचा बनाने के लिए समझ, सहयोग और जुड़ाव बढ़ाने में पूर्व मालाबार के महत्व को स्वीकार किया। यह अभ्यास बंदरगाह और समुद्र दोनों जगह दो अलग-अलग चरणों में आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा लाइव हथियार फायरिंग, जटिल सतह, वायु और पनडुब्बी रोधी युद्ध अभ्यास और संयुक्त युद्धाभ्यास देखने को मिलेंगे।

दिसंबर 2028 तक ...

मदद मिलेगी, खासकर उन परिवारों के लिए जो रोजमर्रा के भोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। इस योजना के तहत, गरीब परिवारों को हर महीने अनाज प्रदान किया जाएगा। यह अनाज विभिन्न प्रकार के अनाज, जैसे गेहूं और चावल, शामिल होगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सभी जरूरतमंद लोगों को उचित मात्रा में खाद्य सामग्री मिल सके। साथ ही इस बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत की और सरकार के नए कदमों के बारे में जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। उनका मानना है कि मजबूत बुनियादी ढांचा देश की सुरक्षा और विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक में निर्णय लिया गया कि सीमावर्ती इलाकों में 4,406 करोड़ रुपए के निवेश से 2,280 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जाएगा। यह परियोजना न केवल स्थानीय लोगों के लिए सुविधाएं बढ़ाएगी, बल्कि देश की सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेगी। इस सड़कों के निर्माण से सीमावर्ती क्षेत्रों में आवागमन में सुधार होगा, जिससे व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, यह सुरक्षा बलों की तैनाती और ऑ

लखीपुर एवं गुवाहाटी से चार अपहरणकर्ता गिरफ्तार

ग्वालपाड़ा (हिंस)। पुलिस ने ग्वालपाड़ा जिले के लखीपुर और गुवाहाटी से चार शातिर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि ग्वालपाड़ा की लखीपुर पुलिस और गुवाहाटी की भगदत्तपुर पुलिस ने छापा मारकर चारों शातिर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया। अपहरणकर्ताओं की पहचान लखीपुर थाना क्षेत्र के मोफिदुल इस्लाम, भीमखोपा के रफीकुल शेख, वेस्टपारा के शरीफुल इस्लाम और हातिमुरा के मिजानुर रहमान के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि अपहरणकर्ताओं ने एक अक्तूबर को गुवाहाटी से अमित कुमार सिन्हा नामक उबर चालक का अपहरण किया था और एक करोड़ रुपए के फिरौती की मांग की थी। मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स जिले में अपहरणकर्ताओं ने उबर चालक अमित कुमार सिन्हा का अपहरण कर उन्हें बंधक बना लिया। उबर चालक अमित कुमार सिन्हा को अगले दिन मेघालय के दक्षिण गारो हिल्स से पुलिस ने एक कार से बचाया था। सिन्हा की पत्नी अनिंदिता राजकुमारी ने दिसपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दिसपुर पुलिस ने दर्ज प्राथमिकी के आधार पर तलाशी जारी रखी। आखिरकार भगदत्तपुर पुलिस और लखीपुर पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार किया।

80 हजार याबा टैबलेट के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज पुलिस ने आज 80 हजार प्रतिबंधित याबा टैबलेट के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया। इस आशय की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर, करीमगंज पुलिस ने एक ट्रक को रोककर 80 हजार याबा टैबलेट जब्त करके सफलतापूर्वक एक मादक पदार्थ विरोधी अभियान चलाया। इस मामले के सिलसिले में दो व्यक्तियों को भी गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस बरामदगी के लिए असम पुलिस की सराहना की है।

गुवाहाटी में लगाई जाएंगी स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार आज से गुवाहाटी में सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीसीएमएस) के साथ स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग परियोजना शुरू करने जा रही है। राज्य के आवास और शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने बताया कि योजना का उद्घाटन आज मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा करेंगे। इस अवसर पर स्वयं मंत्री सिंघल, गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन शरणिया मौजूद रहेंगे। मुख्यमंत्री राजधानी के ससल स्थित नंदी मिकिर प्राइमरी स्कूल में आयोजित एक समारोह के दौरान आज शाम लाइटिंग परियोजना के इस पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। इस पहले चरण में 11 हजार से अधिक स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। कुल 83.96 करोड़ रुपए की लागत से शुरू की गई इस परियोजना का उद्देश्य राजधानी में अधिक सुरक्षित, स्मार्ट और

अधिक टिकाऊ स्ट्रीट लाइटिंग प्रणाली संस्थापित करना है। इसमें सीसीएमएस वास्तविक समय की निगरानी, स्मार्ट ऊर्जा उपयोग और कम रखरखाव लागत जैसी विशेषताएं हैं। स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग परियोजना की मुख्य बातें यह हैं कि राजधानी में कुल 20 हजार 667 लाइटें लगाई जाएंगी। इनमें से 11 हजार से अधिक स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं। जिनमें से 10 हजार लाइटें इसी बीच शहर की 944 सड़कों को रोशन कर रही हैं। इन लाइटों में क्लाउड-आधारित प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से इसे चालू करने, बंद करने, रोशनी मध्यम करने आदि की व्यवस्था है। इसमें दूरस्थ निगरानी, नियंत्रण और मंद करने के लिए वेब-आधारित सीसीएमएस व्यवस्था है। आधी रात के बाद स्वचालित तरीके से इसकी रौशनी मध्यम होती जाएगी, जिससे ऊर्जा और लागत की बचत होगी।

कोकराझाड़ में दुर्घटना-मुक्त दुर्गा पूजा उत्सव के लिए जिला सड़क सुरक्षा समिति तैयार

कोकराझाड़ (हिंस)। आयुक्त मसांदा पार्टिन की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक में कोकराझाड़ की जिला सड़क सुरक्षा समिति ने जिले भर में सुचारू और दुर्घटना-मुक्त दुर्गा पूजा उत्सव सुनिश्चित करने के लिए एक सुदृढ़ कार्य योजना बनाई। बैठक में त्योहार के दौरान कानून प्रवर्तन, परिवहन और नगर पालिका अधिकारियों के बीच समन्वय और सतर्कता बढ़ाने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया गया। जिला आयुक्त ने सड़क सुरक्षा उपायों के सख्त प्रवर्तन के महत्व को रेखांकित किया, विशेष रूप से नशे में ड्राइविंग की घटनाओं को रोकने और हेलमेट और सीट-बेल्ट के अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। सभी दुर्गा पूजा पंडालों पर सड़क सुरक्षा संकेतों की स्थापना भी अनिवार्य की गई, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा की आवश्यकता को बल मिला। पर्यावरण संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए, रात 10 बजे के बाद संगीत बजाने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है और सभी पूजा समितियों को अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए औपचारिक अधिसूचना जारी की गई है। बैठक में प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें एडीसी जितुराज गोगोई, अतिरिक्त एसपी नबनीता शर्मा, जिला परिवहन अधिकारी धजेन बसुमतारी के साथ-साथ पीडब्ल्यूडी रोड्स, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और कोकराझाड़ नगर बोर्ड के अधिकारी शामिल थे। जिला आयुक्त ने सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया कि वे सार्वजनिक सुरक्षा बनाए रखें और दुर्गा पूजा के इस उत्सव को हर्षोल्लास और दुर्घटना-मुक्त बनाएं।

बीबीसी कॉलोनी के नेताजी स्पोर्टिंग क्लब का दुर्गो महोत्सव: परंपरा और कलात्मकता का अद्भुत मिश्रण

गुवाहाटी (हिंस)। आश्विन माह में शारदीय नवरात्र का पर्व मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्र का शुभारंभ 03 अक्तूबर से हुआ है। वहीं, इसका समापन 11 अक्तूबर को होगा। इसके अगले दिन यानी 12 अक्तूबर को दशहरा का पर्व उत्साह के साथ मनाया जाएगा। शारदीय नवरात्र के दौरान मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इसी वजह से इसे दुर्गा पूजा भी कहा जाता है। दुर्गा पूजा के लिए पंडाल लगाकर मां दुर्गा की प्रतिमा को विराजमान किया जाता है। साथ ही विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। हर साल पांडू नेताजी स्पोर्टिंग क्लब दुर्गा पूजा का आयोजन करता है। इस वर्ष की पूजा न केवल सांस्कृतिक रूप से बल्कि, कलात्मक रूप से भी अद्वितीय है। इस साल की पूजा की प्लानिंग ने पहले ही सबका ध्यान खींचा है। लगभग 1200 लोगों की आबादी वाले इस छोटे से रेलवे कॉलोनी समुदाय ने इस साल दुर्गोत्सव के लिए एक बड़ा बजट बनाया है, जो कि 20 लाख रुपए है। इस साल की मूर्ति बनाने की जिम्मेदारी जाने-माने कुम्हार उपेन पाल को सौंपी गई है। उनके कुशल हाथ *पुराने हस्तशिल्प* की थीम पर मूर्तियां बनाए हैं। दुर्गा प्रतिमा बंगाल की प्राचीन हस्तशिल्प की गौरवशाली विरासत का प्रतीक हैं, जो आगंतुकों के लिए अतीत के कलात्मक कौशल का एक जीवंत उदाहरण हैं। उपेन पाल ने कहा कि मूर्ति की सजावट और संरचना इस तरह से किया गया है कि यह एक तरफ परंपरा के साथ-साथ आधुनिक कलात्मकता को भी दर्शाती है। इस साल का पंडाल भी दुर्लभ कलात्मकता वाला है। पहले भी कई लोकप्रिय पंडाल डिजाइन कर चुके राजू बरुवा ने पंडाल निर्माण किया है। इस साल का पंडाल *मिट्टी की कुटीर शिल्प* की थीम पर बनाया गया है। पंडाल के हर कोने में बंगाल की मिट्टी के बर्तनों की परंपरा का प्रदर्शन किया गया। लाइटिंग से पंडाल की कलात्मकता और

प्रतिमा की सुंदरता बढ़ती है। लाइटिंग का जिम्मा मशहूर लाइट कारीगर बिकी का है। वह पहले भी कई बड़े दुर्गा फेस्टिवल में लाइटिंग करने में अपनी कुशलता साबित कर चुके हैं। बिकी के मुताबिक, लाइटिंग इनोवेटिव होगी और पंडाल और मूर्तियों के अनुरूप बनाई गया है, जिससे पूरा पूजा परिसर एक खास लाइटिंग का माहौल बन गया है। मंडप ढाक की थाप से गुंजा और ढाक बजानेवाले कोलकाता के टालीगंज से आया है। ढाक के संगीत से पूजा पंडाल और भी जीवंत हो गया। पूजा समिति के अध्यक्ष विकास दास और महासचिव दीपांकर मजूमदार इस बड़े पैमाने पर पूजा के आयोजन के प्रभारी हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की पूजा में जो परंपरा और आधुनिकता एक साथ लाई गई है, वह पूजा परिसर में मौजूद सभी लोगों का दिल जीत लेगी। इसके अलावा, पूरे कार्यक्रम की योजना इस तरह से बनाई गई है कि हर कोई इसमें भाग ले सके और यह सभी के लिए आनंददायक बन जाए। अध्यक्ष विकास दास ने कहा कि हम इस साल पूजा को खास बनाना चाहते हैं। मूर्तियों से लेकर पंडाल, लाइटिंग, हर चीज में बंगाली परंपरा और कला का स्पर्श है। उम्मीद है, हमारे प्रयास सभी का दिल जीत लेंगे। महासचिव दीपांकर मजूमदार ने कहा कि हर साल हम पूजा को थोड़ा अलग तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं। इस साल भी कोई अपवाद नहीं है। दुर्गा पूजा हमेशा से बंगाली भावनाओं का एक बड़ा हिस्सा रही है। क्षेत्र के सभी लोगों का संयुक्त प्रयास इस पूजा के आयोजन से जुड़ा हुआ है। इस वर्ष नेताजी स्पोर्टिंग क्लब की दुर्गा पूजा सिर्फ एक पूजा नहीं है, बल्कि एक सामाजिक मेलजोल का उत्सव भी है। यह पूजा भक्तों के लिए दैनिक पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और विभिन्न कार्यक्रमों के साथ बंगाली शरद उत्सव का आनंद बढ़ाएगी।

मंत्री सिंघल ने पदाधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने आज राजधानी दिसपुर में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिए मंत्री सिंघल ने कहा कि नए लांच किए गए एकीकृत पोर्टल के माध्यम से डीओएचयूए-असम (अमृत, पीएमएवाई-यू, एयूडब्ल्यूएसएसबी, तकनीकी सेल) के तहत विभिन्न कार्यक्षेत्रों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से वेब-आधारित, कागज रहित समीक्षा प्रक्रिया स्थापित करने और

डीओएचयूए के संचालन को सुव्यवस्थित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

गौरांग नदी से बरामद लापता कारोबारी का शव

धुबड़ी (हिंस)। आखिरकार लापता कारोबारी का शव बिलासीपारा में गौरांग नदी से बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि कारोबारी मनोज दे सोमवार को गौरांग नदी में कूदने के बाद से लापता हो गया था। मनोज दे उर्फ बुम्बा एक कुशल व्यापारी था। मनोज दे बिलासीपारा शहर के वार्ड नंबर तीन का रहने वाले था। मनोज दे के शव को आज बिलासीपारा पुलिस टीम और एसडीआरएफ बलों ने बरामद किया। घटना को लेकर पूरे बिलासीपाड़ा इलाके में मातम पसरा हुआ है।

यौन शोषण के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिले के हालोवाटिंग इलाके से पुलिस ने एक नाबालिक बच्ची के साथ यौन शोषण करने के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि हालोवाटिंग चाय बागान की एक नाबालिक बच्ची के साथ दो युवकों द्वारा यौन शोषण किया गया था। युवती के परिजनों द्वारा आमगुड़ी थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिक के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हालोवाटिंग चाय बागान के जुवेल और सुतेन खारिया के रूप में की गई है। पुलिस 19/2024 नंबर के तहत दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार दोनों आरोपियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

राज्यपाल ने दीं दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने दुर्गा पूजा के अवसर पर असम के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। आज यहां लोगों को दिए गए संदेश में राज्यपाल ने कहा कि दुर्गा पूजा बुराई पर अच्छाई की जीत का शाश्वत सार है। यह आशा और उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है। मुझे उम्मीद है कि जिस भावना के साथ यह त्योहार मनाया जाता है, वह सभी बुराइयों के खिलाफ लड़ने के लिए एकता के बंधन को मजबूत करेगा। इस अवसर पर आइए हम सभी देवी दुर्गा को नमन करें और अच्छाई को बढ़ावा देने और बुराई से दूर रहने का माहौल बनाने का संकल्प लें। इसके अलावा, राज्यपाल ने भक्तों से पर्यावरण के अनुकूल त्योहार मनाने का अनुरोध किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि देवी दुर्गा सभी को धर्म के मार्ग पर ले जाएंगी और सभी को खुशी और समृद्धि का आशीर्वाद देंगी।

विश्वनाथ : मिलिजुली सार्वजनिक श्री श्री दुर्गोत्सव समिति के पूजा मंडप बना आकर्षण का केंद

विश्वनाथ (विभास)। देश में शारदीय नवरात्र के उत्साह के बीज विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित मिलिजुली सार्वजनिक श्री श्री दुर्गोत्सव समिति के पूजा मंडप (पंडाल) बना आकर्षण का केंद्रबिंदु बन पड़ा है इस पूजा पंडाल में पूर्वोत्तर भारत विभिन्न के विभिन्न जनगोष्ठी का जातीय स्वरूप का आलोकित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम विश्व विख्यात एक सींग वाले गैंडा के साथ वैचित्र्यमय असम के झलक, अरूणाचल प्रदेश के न्यौकूम उत्सव, नगालैंड के पारंपरिक उत्सव हर्नबिल और असम के जातीय उत्सव बिहू, बागरूम्बा, आलि आऐं लिगांग, झूमूर आदि नृत्य का प्रदर्शित किया गया है। बूंदाबांदी बारिश के बीच आज सुबह से ही षष्ठी तिथि के बाद इस पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा है। इधर जिले के साहित्यकार,

समाजिक कार्यकर्ता आदि ने इस पूजा पंडाल की आलोक सज्जा से अभिभूत होकर समिति की पदाधिकारी की सराहना की।

सुहागिन महिलाओं ने की पद्मावती माता की गोद भराई

गुवाहाटी। स्थानीय मालीगांव स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन चैत्यालय में नवरात्रा के अवसर पर पद्मावती माता की पूजन बड़ी धूमधाम से आयोजित की जा रही है। इस अवसर पर पद्मावती माता का भव्य दरबार बैठाया गया है। जिसमें फूलों से अलौकिक सिंगार किया गया। इस मौके पर स्थानीय पंडित नरेंद्र कुमार शास्त्री के सानिध्य में रोजाना जिनेंद्र भगवान की पूजन के पश्चात माता का अभिषेक, सिंगार, जाप, विधान आदि के पश्चात माता की गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर आज सुहागिन महिलाओं को माता की गोद भराई करने का सौभाग्य

प्राप्त हुआ। तथा विधान कराने का सौभाग्य किशोर कुमार- महेश कुमार जैन सपरिवार को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व मंगलवार को माता की गोद भराई व विधान कराने का सौभाग्य साकेत कुमार-आंचल देवी गंगवाल सपरिवार को प्राप्त हुआ। इस मौके पर स्थानीय महिला गायक कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम में चैनरूप- शारदा देवी बगड़ा, आकाश- सौनाक्षी बगड़ा, रेखा जैन, कनक जैन, सरिता जैन, सुनील कुमार सेठी, किशोर जैन आदि लोगों के अलावा काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन माता की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। यह जानकारी मंदिर के प्रमुख आकाश बागड़ा एवं सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

No.BCDIM/NIT/T/3/2021-22/23 *Date 25/09/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Scaled tenders in the prescribed form affixing non-refundable Court fee stamps of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only and eventually to be drawn in the A.P.W.D F-2 Form of contract arc hereby invited from the intending registered Contractors of appropriate category having up to date registration under Irrigation Department, Assam for the year 2024-25 for the following works and will be received in the office of the undersigned up to 1.00 P.M. on 15/10/2024 and will be opened on the same day at 2.00 P.M in the same place & date by the undersigned or officers authorised to open in presence of the intending tenders or their authorised agents who wish to be present. In cash of the date of receiving and opening of tender is non-working day, the tender will be reached and opened on the next working day at the same time and venue.

Sl. No.	Name of Work	Approx. Amount	Time of Completion
1	Construction of C.C. lined canal and protection work at pallapam F.I.S, under saving amount of AIBP(BTC) for the year 2012-13	Rs.9.88.756.00	60 (Sixty) days time from the date of issue of work order

Rates should be quoted on percentage i.e. Below/As per/Above the estimated rate.

Earnest Money:- 2% against work value for General Category and 1% for SC.ST, OBC & MOBC etc. in the form of Bank Drat/F.D/Call Deposit, dully pledged to the Executive Engineer, Barama-Chapaguri Division (Irrigation), Mushalpur, Baksa along with Tender Papers for each Group Separately .

The details particulars of works, term and condition, specification etc. may be seen in the office of the undersigned during office hours on all working days upto 12.00 Noon of 15/10/2024.

The details tender papers will be issued on written request and on payment (Non-Refundable) of Rs.300.00 (Rupees Three Hundred) only in the form of Cash only pledge in favour of the Executive Engineer, Barama-Chapaguri Division (Irrigation) Mushalpur, Baksa during office hours up to 12.00 noon 15/10/2024.

This N.I.T. will form Part of the Contract Agreement in addition to A.PAV.D. F-2 form.

Sd/- Executive Engineer,
Barama-Chapaguri Division (Irrigation),
Mushalpur, Baksa

IPR(BTC)/C/2024-25/705

No.BDB/TA/2024-25/Pt.1/2 *Dated Borobazar, the 7th October,2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER (SNIT)
Tender No. 1 of 2024-25

The office of the Block Dev. Officer, Borobazar T. Dev. Block, Chirang invite bids for the works under SOPD-G for the year 2024 -25 in Bid system (F-2 Form) affixing a non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty-five) only from the registered contractors of Class-I (A, B & C) and Class-II category of Assam PWD (Road & Building) as details below.

Sl. No.	Name of the work	Tender Value (in Rs.)	Earnest Money/ Bid Security (in Rs.)		Cost of Bid	Period of completion
			General category	Reserved category		
1	Const. of box culvert at Matiapara village road	5,00,000.00	10000.00	5000.00	500.00	45 days
2	Const. of box culvert at Bhetagaon village road	5,00,000.00	10000.00	5000.00	500.00	45 days
3	Const. of Bangaljhara village road Pt. I	8,00,000.00	16000.00	8000.00	500.00	45 days
4	Const. of Bangaljhara village road Pt. II	8,00,000.00	16000.00	8000.00 '	500.00	45 days
5	Const. of Matiapara village road Pt. I	12,00,000.00	24000.00	12000.00	500.00	45 days
6	Const. of Matiapara village road Pt. II	12,00,000.00	24000.00	12000.00	500.00	45 days

Detail NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. In case the office remain close on tender issuing/ receiving/opening date the same will be issued/received/opened on the next working day. The cost of bid must be deposited through Bank Draft in favour of Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at SBI Kokrajhar and Earnest money/ Bid security must be deposited though Bank Draft in favour of Block Dev. Officer, Borobazar TD Block.

1. Date of issue of Bid Document: 09/10/2023
2. Last date of issue and submission of Bid Document: 29/10/2024 up to 2.00 PM
3. Date of opening of Bid : 29/10/2024 at 2.30 PM

Sd/-
Block Development Officer,
Borobazar T.D. Block

IPR(BTC)/C/2024-25/706

संपादकीय

लगातार तीसरी बार जनादेश

हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा को जनादेश मिला है। यह अभूतपूर्व और ऐतिहासिक जनादेश है, क्योंकि हरियाणा में किसी भी पार्टी को, लगातार तीसरी बार, जनादेश नहीं मिला है। इस जनादेश ने एग्जिट पोल के तमाम आकलन और अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। कांग्रेस का 'किसान, जवान, पहलवान और संविधान' वाला नेरेटिव भी खोखला और छद्म साबित हुआ। दरअसल कोई भी सर्वेक्षण हरियाणा के भीतरी यथार्थ को पढ़ नहीं पाया, लिहाजा अनुमान भी गलत साबित हुए। एक टीवी चैनल ने हरियाणा के 100 स्थानीय पत्रकारों के आकलन भी आमंत्रित किए थे। उनका औसत निष्कर्ष था कि भाजपा ज्यादा से ज्यादा 18-20 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस का बहुमत 60-65 सीट तक उछल सकता है। मतगणना शुरू हुई, तो भाजपा और कांग्रेस की सीटों का अंतर क्रमशः 18-20 और 58-60 का था। ये मतगणना के रुझान थे कि कौनसी पार्टी, कितनी आगे है। उसी दौर में कांग्रेसी जलेबियां खाने लगे, ढोल बजने लगे, डबल इंजन को खारिज करने के दावे करने लगे और विश्लेषणों का निष्कर्ष रहा कि कांग्रेस के पक्ष में प्रचंड लहर चली है, लेकिन ये मुगालते ही साबित हुए, क्योंकि दो घंटे की मतगणना के बाद ही बाजी पलट गई। आंकड़े बदलने लगे। बिल्कुल ही उलटफेर हो गया। चुनाव और मतगणना रोमांचक हो गए। शायद यही लोकतंत्र है! उसके बाद 50 सीटों के स्पष्ट बहुमत के साथ भाजपा आगे हो गई और कांग्रेस को 35 सीटों के रुझान मिले। जनादेश के ये रुझान दोपहर 1.30 बजे तक स्थिर बने रहे। साफ हो गया कि 2014, 2019 के बाद 2024 में भी हरियाणा विधानसभा का जनादेश भाजपा के पक्ष में रहा है। आंकड़े कुछ बदल भी सकते हैं, क्योंकि यह आलेख लिखने तक रुझान ही सामने थे। अब यह जनादेश हरियाणा का इतिहास बनेगा, क्योंकि कोई भी मुख्यमंत्री, राजनीतिक दल, लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का जनादेश हासिल नहीं कर सका है। अब भाजपा आंदोलित होने लगी है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को शानदार जीत के लिए बधाई दी है। पार्टी ने साफ कर दिया है कि सैनी ही मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने, आगे की रणनीति के मद्देनजर, महासचिवों की बैठक बुलाई है। यह जनादेश जातीय नहीं रहा, हालांकि इस हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। यह जनादेश जाट बनाम गैर-जाट का भी नहीं रहा, क्योंकि सोनीपत, झज्जर, रोहतक के एक हिस्से, भिवानी, हिसार, महेंद्रगढ़ आदि 'जाटलैंड' में भाजपा ने जीत हासिल कर कांग्रेस की रणनीति को ध्वस्त किया है। भाजपा ने कुरुक्षेत्र, अंबाला, करनाल, गुरुग्राम, फरीदाबाद और अहीरवाल के अपने बुनियादी गढ़ में भी शानदार जीत हासिल की है, जबकि तमाम 'एग्जिट पोल' और 'चुनावी पंडित' भाजपा को बुरी तरह पराजित बता रहे थे। जाट वोट कांग्रेस के भूपेंद्र सिंह हुड्डा और चौटाला परिवार के इंनेलो के बीच बंट गए, जबकि जेजेपी का वोट भाजपा के पक्ष में आया। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री सैनी के कारण ओबीसी वोट भाजपा को मिले। भाजपा ने दलितों पर भी फोकस रखा। अब एग्जिट पोल करने वाले अपना धंधा बदल लें, क्योंकि लोकसभा चुनाव में भी उनके अनुमान गलत निकले थे। कांग्रेस भी 'मुहब्बत नफरत' के जुमलों वाली राजनीति पर मंथन करे। राजनीति मजाक में नहीं हुआ करती। देश को बांटने वाली सियासत को भी वोट नहीं मिला करते। बेशक भाजपा के 10-साला शासन के दौरान कई कमियां रही होंगी। राज्य में बेरोजगारी और महंगाई बड़े प्रबल मुद्दे हैं, लेकिन ये राष्ट्रव्यापी समस्याएं हैं। किसान और सेना में 'अग्निवीर' भी राष्ट्रीय मुद्दे हैं। इनके लिए राज्य सरकार को दोषी करार नहीं दिया जा सकता।

हरियाणा में किसी भी पार्टी को, लगातार तीसरी बार, जनादेश नहीं मिला है। इस जनादेश ने एग्जिट पोल के तमाम आकलन और अनुमानों को गलत साबित कर दिया है। कांग्रेस का 'किसान, जवान, पहलवान और संविधान' वाला नेरेटिव भी खोखला और छद्म साबित हुआ। दरअसल कोई भी सर्वेक्षण हरियाणा के भीतरी यथार्थ को पढ़ नहीं पाया, लिहाजा अनुमान भी गलत साबित हुए। एक टीवी चैनल ने हरियाणा के 100 स्थानीय पत्रकारों के आकलन भी आमंत्रित किए थे। उनका औसत निष्कर्ष था कि भाजपा ज्यादा से ज्यादा 18-20 सीटें जीत सकती है और कांग्रेस का बहुमत 60-65 सीट तक उछल सकता है। मतगणना शुरू हुई, तो भाजपा और कांग्रेस की सीटों का अंतर क्रमशः 18-20 और 58-60 का था। ये मतगणना के रुझान थे कि कौनसी पार्टी, कितनी आगे है। उसी दौर में कांग्रेसी जलेबियां खाने लगे, ढोल बजने लगे, डबल इंजन को खारिज करने के दावे करने लगे और विश्लेषणों का निष्कर्ष रहा कि कांग्रेस के पक्ष में प्रचंड लहर चली है, लेकिन ये मुगालते ही साबित हुए, क्योंकि दो घंटे की मतगणना के बाद ही बाजी पलट गई।

राज्य ने सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया

शिक्षा सुधारों में क्रांति की दरकार

डा. वरिंदर भाटिया

हिमाचल प्रदेश की सरकार शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए उत्तर प्रदेश के शिक्षा मॉडल को अपनाएगी। पहाड़ी प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर, जो कि उत्तर प्रदेश के दौरे पर थे, ने यूपी में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे गुणात्मक सुधारों की बारीकियों को समझा। यह उनकी एक अच्छी पहल है क्योंकि शिक्षा में सुधारों को लेकर राजनीतिक विचारधारा का आड़े आना अपरिपक्वता की निशानी होती है और हमें हमेशा दूसरों के कामयाब प्रयासों से सीखना चाहिए। आइए, जानें कि देश के सबसे बड़े राज्य ने ऐसा क्या किया है जो कि शिक्षा सुधारों की दिशा में सुर्खियां बटोर रहा है। उत्तर प्रदेश ने शैक्षिक सुधारों में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है, जिसमें एक ऐसा मॉडल स्थापित किया गया है जो सुलभता, आधुनिकीकरण, समावेशन और समग्र विकास को प्राथमिकता देता है। यह उभरती कहानी महत्वपूर्ण गुणात्मक और मात्रात्मक प्रगति को दर्शाती है, जिसमें प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और बाजार की मांगों के साथ शैक्षिक पेशकशों को एकसार करने पर जोर दिया गया है। राज्य ने सभी स्तरों पर शिक्षा को बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार किया है, जो अपने युवाओं और बच्चों की विविध आकांक्षाओं को पूरा करता है। समावेशिता और सामाजिक पहुंच पर जोर ने यह सुनिश्चित किया है कि हाशिए पर पड़े समुदायों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच मिले। यह पहल न केवल शैक्षिक मानकों को फिर से परिभाषित करती है, बल्कि भविष्य के लिए एक दृष्टि को भी बढ़ावा देती है, जहां हर युवा व्यक्ति अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने और समाज की प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए सशक्त होता है। इस राज्य ने 130000 से अधिक सरकारी स्कूलों को आधुनिक बनाने के लिए ऑपरेशन कायाकल्प शुरू किया। कभी उपेक्षा के प्रतीक रहे इन स्कूलों को बुनियादी ढांचे और डिजिटल उपकरणों के साथ पुनर्जीवित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 2018 और 2023 के बीच प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उपस्थिति में यह पुनरुत्थान स्कूलों के अवसर और आशा के स्थानों में परिवर्तन को दर्शाता है। भौतिक सुधारों के अलावा, शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है। मिशन प्रेरणा पढने और अंकगणित जैसे मुख्य शिक्षण मानदंडों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिससे ग्रामीण साक्षरता दर में 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की गहरी बाधाओं को

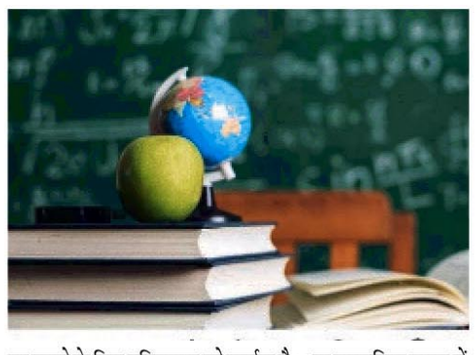

दूर करने के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अब वास्तविक समय में निगरानी की जाने वाली मिड डे मील योजना में प्रतिदिन 1.8 करोड़ बच्चों को पौष्टिक भोजन दिया जाता है। इस सुधार ने उल्लेखनीय रूप से 9 प्रतिशत तक ड्रॉपआउट दरों को कम किया है जिससे कक्षाएं जुड़ाव के जीवंत केंद्र बन गई हैं। यदि सामाजिक बदलाव लाना है तो सर्वप्रथम समाज को शिक्षित करना पड़ेगा। भारत के पास विश्व की सबसे बड़ी युवा शक्ति है जिसे एक बेहतर मानव संसाधन के रूप में तैयार करने के लिए बेहतर शिक्षा देनी पड़ेगी। वहां के विद्यालयों में में गेट, चारदीवारी, फर्श पर टाइल्स, खेलने के लिए पार्क और लाइब्रेरी के साथ डिजिटल क्लास रूम्स, बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, पीने के पानी और हाथ धोने के लिए हैंडवॉश सिस्टम, क्लास रूम में बच्चों के बैठने के लिए फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बेसिक शिक्षा के महत्व को देखते हुए वित्त वर्ष 2016-17 में 55176 हजार करोड़ से बढ़ाकर खर्चा वित्त वर्ष 2021-22 में 63455 तक पहुंचाया गया है। इसे प्रति वित्त वर्ष लगातार बढ़ाया ही जा रहा है, ताकि हमारे भविष्य के लिए नींव को मजबूत किया जा सके। उत्तर प्रदेश में गरीबों की संख्या अधिक है। इसलिए वहां अतिरिक्त प्रयास करने पड़ते हैं। चूंकि प्राथमिक शिक्षा सबका मौलिक अधिकार है, इसलिए बच्चों के भविष्य निर्माण हेतु 1.84 करोड़ पाठ्य पुस्तकें, 1.83 करोड़ बस्ते, 1.61 करोड़ विद्यालय की पोशाकें मुफ्त में वितरित की गईं। इस व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए डीबीटी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को यूनीफार्म, स्वेटर, जूते-मोजे एवं स्कूल बैग खरीदने के लिए अभिभावकों के बैंक खातों में 1100 रुपए की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। अनुसूचित जाति के बालकों, अनुसूचित जनजाति के बालकों एवं गरीबी रेखा के नीचे के परिवार के प्रत्येक छात्र-छात्रा को दो जोड़ी यूनीफार्म हेतु 600 रुपए, स्वेटर हेतु 200 रुपए, जूता-मोजा हेतु 125 रुपए, स्कूल बैग हेतु 175 रुपए, अर्थात कुल 1100 रुपए प्रदान किए जा रहे हैं। प्राथमिक शिक्षा यदि बेहतर है तो आगे की शिक्षा के बेहतर होने की सम्भावना बढ़ जाती है। इसलिए सर्वाधिक कार्य आधार शिक्षा पर किया जाना चाहिए जो कि अनवरत किया जा रहा है। इनमें भी कुछ व्यावहारिक समस्याएं हैं। केवल शिक्षक नियुक्ति या आधारभूत सुविधा बाधा देने से शिक्षा व्यवस्था सुधर नहीं जाती। औचक निरीक्षण में विद्यालयों में नदारद शिक्षकों के लिए सरकार बायोमीट्रिक प्रणाली को अपनाने की बात कर रही है। शिक्षकों की उपस्थिति को ऑनलाइन बनाने की ओर कदम बढ़ाया गया। छोटे-छोटे प्रशासनिक सुधारों का समाज पर व्यापक असर पड़ता है। उत्तर प्रदेश में परीक्षा व्यवस्था नकल माफिया का पर्याय हो चुकी थी। अपनी प्रतिभा से अंक लाने वाले छात्रों को बाहर के लोग संदेह की नजर से देखते थे। नकल माफियाओं और उनके राजनीतिक रसूख ने इन सब कार्यों को पनपने में बड़ी मदद की। इस तरह के कार्यों में लिप्त परीक्षा केंद्रों को काली सूची में डालकर सरकार ने साफ-सुथरी परीक्षा को संचालित कर पाने में सफलता पाई है। इससे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आत्मविश्वास मिला। शिक्षा का मूल उद्देश्य सभी नागरिकों को बेहतर मानव संसाधन के रूप में विकसित करने से है। शिक्षित समाज ही बेहतर समाज को साकार करता है। शिक्षा व्यक्ति को तार्किक बनाती है, वैज्ञानिक सोच का विकास करती है। उत्तर प्रदेश के मदरसों में जो पाठ्यक्रम चल रहे थे, वे धार्मिक थे, परंतु उनमें वैज्ञानिकता का अभाव था। अतः वहां भी पाठ्यक्रम को बदल कर सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किया जा रहा है। वहां भी पढने वाले बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सकेगा, क्योंकि अब वे मात्र मजहब से जुड़े पाठ्यक्रम नहीं, अपितु एक पूर्ण पाठ्यक्रम पढ़ेंगे जो उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। सिर्फ उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश के अनेक राज्यों, जैसे आंध्र प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, जम्मू-कश्मीर व मिजोरम इत्यादि राज्यों में शिक्षा सुधारों के क्षेत्रों में काम हुआ है, जैसे कि आंध्रप्रदेश सरकार ने शिक्षा में एक बड़ा कदम उठाया है।

उत्तर प्रदेश ने शैक्षिक सुधारों में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है, जिसमें एक ऐसा मॉडल स्थापित किया गया है जो सुलभता, आधुनिकीकरण, समावेशन और समग्र विकास को प्राथमिकता देता है। यह उभरती कहानी महत्वपूर्ण गुणात्मक और मात्रात्मक प्रगति को दर्शाती है, जिसमें प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने और बाजार की मांगों के साथ शैक्षिक पेशकशों को एकसार करने पर जोर दिया गया है।

दृष्टि कोण

जल विद्युत पर्यटन : सतत विकास का मार्ग

जिस तरह से विश्व पर्यटन संगठन ने छोटे द्वीप राज्यों के लिए क्रूज पर्यटन के एक जीवन रेखा के रूप में महत्व को उजागर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में शामिल हो गया है, उसी तरह से हिमाचल प्रदेश एक सुंदर लैंडलॉक्ड, अपने अपार प्राकृतिक सुंदरता, राजसी नदियों और ऊंचे पहाड़ों के कारण सबसे अधिक मांग वाले गंतव्य के रूप में स्थापित है। उसी तरह से जलविद्युत पर्यटन मानव निर्मित जल विद्युत स्टेशनों के माध्यम से योगदान विकसित कर सकता है। हिमाचल प्रदेश देवताओं की भूमि, आध्यात्मिक साधकों, ट्रैकर्स और साहसिक उत्साही लोगों के लिए एक गंतव्य के रूप में अपने आकर्षण से परे, राज्य के प्रचुर जल संसाधन जलविद्युत पर्यटन के माध्यम से पर्यटन के साथ सतत विकास करने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करते हैं। जल विद्युत स्टेशनों और जल आपूर्ति सुरंगों के साथ बिंदीदार अपने सुंदर परिदृश्य के साथ, हिमाचल प्रदेश में जलविद्युत पर्यटन में वैश्विक नेता बनने की क्षमता है। नियाग्रा फॉल्स और रॉबर्ट मूसा नियाग्रा पावर प्लांट जैसे सफल मॉडल से प्रेरित, राज्य अक्षय ऊर्जा और स्थिरता को बढ़ावा देते हुए एक संपन्न ईको-टूरिज्म उद्योग विकसित कर सकता है। कृषि और बागवानी इसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। जलविद्युत परियोजनाओं ने पहले से ही राज्य के आर्थिक विकास, रोजगार प्रदान करने और बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि स्थानीय अर्थव्यवस्था में पनबिजली पर्यटन को एकीकृत करके, लाभ ऊर्जा उत्पादन से परे हो सकते हैं। इन पनबिजली स्थलों के आसपास समुदाय आधारित पर्यटन का विकास स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है, जिससे वे टूर गाइड, नाव ऑपरेटर या होमस्टे के प्रदाताओं के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, इन स्थलों के पास हस्तशिल्प, पारंपरिक हिमाचली व्यंजन और सांस्कृतिक प्रदर्शन को बढ़ावा देने से स्थानीय परंपराओं को संरक्षित करते हुए पर्यटक अनुभव को बढ़ाया जा सकता है। विश्व पर्यटन संगठन द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में, विश्व अर्थव्यवस्था के लिए पर्यटन अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहां यह लाखों लोगों की आजीविका चलाता है और पर्याप्त सामाजिक-आर्थिक लाभ लाता है। विश्व पर्यटन संगठन द्वारा जारी एक बयान में, अनुमानित 790 मिलियन पर्यटकों ने 2024 के पहले सात महीनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यात्रा की, जो 2023 की तुलना में लगभग 11 फीसदी अधिक है, हालांकि 2019 की तुलना में 4 फीसदी कम है। परिणाम अधिकांश क्षेत्रों में मजबूत मांग, एशिया प्रशांत गंतव्यों की चल रही वापसी, बहाली, पुनः प्राप्ति, हवाई संपर्क और वीजा सुविधा में वृद्धि से प्रेरित थे। जनवरी-जुलाई 2024 में अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आगमन पूर्व-महामारी के स्तर के 96 फीसदी तक पहुंच गया है। मध्य पूर्व सबसे मजबूत बढने वाला क्षेत्र बना रहा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय आगमन 2019 के स्तर से 26 फीसदी ऊपर चढ़ गया। अफ्रीका ने 2019 के समान महीनों की तुलना में 7 फीसदी अधिक पर्यटकों का स्वागत किया। यूरोप और अमेरिका ने 2024 के पहले सात महीनों के दौरान अपने पूर्व-महामारी आगमन संख्या का 96 फीसदी और 97 फीसदी पुनप्राप्त किया, जबकि एशिया और प्रशांत ने 2019 के स्तर का 82 फीसदी दर्ज किया। उपक्षेत्रों के अनुसार, उत्तरी अफ्रीका ने महामारी से पहले की तुलना में 21 फीसदी अधिक 2024 के पहले सात महीनों में अंतरराष्ट्रीय आगमन के साथ सबसे मजबूत प्रदर्शन देखा, इसके बाद मध्य अमेरिका (19 फीसदी), कैरिबियन और दक्षिणी और भूमध्यसागरीय यूरोप (दोनों 9 फीसदी) का स्थान रहा। संयुक्त राष्ट्र पर्यटन विश्वास सूचकांक सितंबर-दिसंबर 2024 के लिए सकारात्मक उम्मीदें दिखाता है। पर्यटन विशेषज्ञों के संयुक्त राष्ट्र पैनल ने यात्रा और पर्यटन में मुद्रास्फीति की ओर इशारा किया। पर्यटन जो अपने वर्तमान और भविष्य के आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का पूरा ध्यान रखता है, आगंतुकों, उद्योग, पर्यावरण और मेजबान समुदायों की जरूरतों को संबोधित करता है। सतत पर्यटन विकास दिशानिर्देश और प्रबंधन प्रथाएं बड़े पैमाने पर पर्यटन और विभिन्न आला पर्यटन खंडों सहित सभी प्रकार के गंतव्यों में पर्यटन के सभी रूपों पर लागू होती हैं। सतत सिद्धांत पर्यटन विकास के पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं को संदर्भित करते हैं और दीर्घकालिक स्थिरता की गारंटी के लिए तीन आयामों के बीच एक उपयुक्त संतुलन स्थापित किया जाना चाहिए। पर्यावरणीय संसाधनों का इष्टतम उपयोग करें जो पर्यटन विकास में एक महत्वपूर्ण तत्व का गठन करते हैं। आवश्यक पारिस्थितिक प्रक्रियाओं को बनाए रखते हैं और प्राकृतिक विरासत और जैव विविधता के संरक्षण में मदद करते हैं।

कुछ अलग

अबके मैं भी सोच रहा हूं कि..

मित्रो! अब हमारे घर में दीपावली की सेल के नए सामान के स्वागत के लिए सफाई अभियान लगभग पूरा हो चुका है। स्टोर में सेल का सामान लाने के लिए जरूरत से अधिक जगह बन गई है। बीवी दीपावली की सेल का इंतजार पलकें बिछाए कर रही है। दीपावली की सेल से विमुख पता नहीं कौन होंगे जो पलकें बिछाए राम का कर रहे होंगे। इन दिनों तो बारहमासी पुजारी तक मंदिर के बदले सेल में घूमते रहते हैं। अब मेरे ही नहीं, घड़ी के भी बारह बज चुके हैं। मैं बीवी से नजरें बचा झाड़ू दीवार के सहारे खड़ा कर आराम फरमा रहा हूं। आराम फरमाते फरमाते सोच रहा हूं कि इस दीपावली क्यों न मैं भी अपने दिमाग के स्टोर की सफाई कर लूं। टेंपों तो बना हुआ ही है। बरसों पुराना सड़ा फड़ा अब इस दिमाग के स्टोर में कब तक रखे रखूं? इतने साल हो गए। कभी अपने दिमाग की सफाई नहीं की। जो भी जहां से भी मिला, उसे अपने दिमाग के स्टोर में घुसेड़ता रहा, यही सोचकर कि क्या पता, कब काम आ जाए। बस, इसी चक्कर में दिमाग का स्टोर इतना भर गया है कि अब उसमें तिल धरने को भी जगह नहीं। दिमाग में इसी ठसाठसी के चलते कई बार अब तो जो अपना खास तक मेरे गले लगता है तो मैं उसे भी नहीं पहचान पाता। पहचानूं तो तब जो वह कभी यूज हुआ हो। ऐसे में वह मुंह सामने मुझे गालियां देता आगे हो लेता है। दीपावली की सफाई के इसी क्रम में सोच रहा हूं बरसों से जो ईमानदारी दिमाग के स्टोर में बेकार पड़ी धूल चाट रही है, क्यों न उसे कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग में तनिक भूसा भरने को थोड़ी और जगह बन जाए। जबसे इसे खरीद कर लाया हूं, आपकी कसम! एक बार भी कहीं इसका प्रयोग न हुआ। बरसों पहले जो मॉल से पहला वेतन मिलने पर जिस इनसानियत को बड़े शौक से खरीद कर इतराता लाया था, उसमें तबसे ही दिमाग के स्टोर में पड़े पड़े जंग लग रही है। एक बार भी इसे कहीं इस्तेमाल करने का मौका न मिला। सो सोच रहा हूं, इस दीपावली को इस कबाड़ को भी घर के कबाड़ के साथ कबाड़ी को दे दूं, ताकि दीपावली की सेल से इस उम्र में काम आने वाली चीजें ला सकूं। दिमाग के स्टोर में बेकार पड़े बरसों से जिस भाईचारे को दीमक लगभग चाट चुकी है, सोच रहा हूं, क्यों न अबके उसे भी कबाड़ी को दे दूं ताकि दीपावली की सेल से इस उम्र में काम आने वाली कोई दूसरी चीज ला सकूं। बरसों से जो प्रेम के दिमाग के स्टोर में बेकार पड़ा पड़ा घुनिया रहा है, सोच रहा हूं उसे भी क्यों न इस दीपावली सफाई में निकले भंगार के साथ इसे भी औने पौने में कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग में दीपावली पर लगने वाली सेल में कुछ प्रेम से अलग खरीद दिमाग के स्टोर में रख सकूं। सोच रहा हूं इस दीपावली को बरसों से जो सहनशीलता दिमाग के स्टोर में बेकार में पड़ी पड़ी सड़ रही है, उसे भी कबाड़ी को दे दूं ताकि दिमाग के स्टोर में सेल से लाई गधे की लीद को जगह मिल सके। सोच रहा हूं दिमाग के स्टोर से उसको भी बाहर निकाल फेंकू जो हाय का न बाय का, दुश्मन कोरी चाय का। जबसे बंधु को अपना बनाया है, बेशर्म काम आया ही कितनी बार? जितनी बार उसे काम में लाने की भरसक कोशिश की, मुझे ही यूज कर गया। ऐसे दिमाग के स्टोर में सहेज कर बिल्कुल नहीं रखने चाहिएं जो आपके द्वारा यूज होने से आपको ही यूज कर पतली गली से सरक लें। ऐसे अपने दिमागी स्टोर की जगह ही घेरते हैं। सोच रहा हूं अपने दिमाग के स्टोर से उस तथाकथित अपने सबसे प्रिय को भी कबाड़ी का फटा थैला दिखाऊं जो काम बताने पर न कभी हां ही करता है और कभी न ही करता है। उस पर विश्वास करना अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना है। काले चोर पर विश्वास करना आसान है, पर उस पर विश्वास करना मुश्किल। सोच रहा हूं अबके इस दीपावली को अपने दिमाग में भी झाड़ू पोंछा लगाते उस डियर वन को भी दिमाग के स्टोर से कान पकड़ कारपोरेशन के डस्टबिन के हवाले कर दूं जो जब भी करता है, बस, अपने मतलब की ही बात करता है। मुझे कभी अपने काम की बात खुद से करने ही नहीं देता। और जब उसे मुझसे काम न हो तो बगल से ऐसे निकल जाता है जैसे...अबके सोच रहा हूं कि...अबके सोच रहा हूं कि...।

देश दुनीया से

बढ़ा बजट उबारेगा कृषि को संकट से

साल था 1996। चुनाव परिणाम घोषित हो चुके थे और अटल बिहारी वाजपेयी को निर्वाचित-प्रधानमंत्री के रूप में घोषित किया जा चुका था। एक या दो दिन बाद, नई दिल्ली में कुछ जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित-प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की। अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू-खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि। जब मुझसे यह सुझाव देने के लिए कहा गया कि नीतिगत ध्यान का केंद्र किस पर होना चाहिए, तो मेरा जवाब था कि बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा उस समय कृषि क्षेत्र में काम कर रही 60 प्रतिशत आबादी के लिए रखा जाना चाहिए। मेरे कई साथी मुझसे सहमत नहीं थे, कुछ ने तो यहां तक चेतावनी दे डाली कि अगर बजट का 60 प्रतिशत हिस्सा कृषि के लिए आवंटित किया गया तो आर्थिक तबाही मच जाएगी। उद्योग और बुनियादी ढांचा विकसित करने को अधिक धन देने पर जोर दिया गया और इसे उच्च आर्थिक विकास की ओर ले जाने का शर्तिया माध्यम बताया गया। मैंने फिर भी जोर देकर कहा कि यह एक नया सांचा और आर्थिक सोच बनाने का समय है और जब तक कृषि के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान नहीं किया जाता, तब तक देश सर्वांगीण विकास नहीं कर पाएगा। मुझे पता था कि मेरा सुझाव मुख्यधारा की आर्थिक सोच से मेल नहीं खाएगा। हालांकि, मेरी समझ से सत्ता विरोधी लहर से बचने की एकमात्र राह खेती और ग्रामीण विकास में पर्याप्त निवेश करना था। बैठक का समापन जोशी ने यह कहकर किया कि वे हमारे विचारों से प्रधानमंत्री को अवगत करवाएंगे। कुछ दिनों बाद, मुझे आश्चर्य हुआ जब नई सरकार ने कृषि के लिए 60 प्रतिशत बजट प्रदान करने की अपनी मंशा की घोषणा की। कृषि में इतने संसाधन लगाने की जरूरत को लेकर मीडिया में हंगामा मच गया, कई विशेषज्ञों ने तो यहां तक कहा कि इससे अर्थव्यवस्था पीछे की दिशा में जाएगी। लेकिन मेरी दलील थी कि उच्च विकास की दिशा में कदम आगे बढ़ाते वक्त भारत अपनी दो-तिहाई आबादी को ग्रामीण इलाकों में भुगतने के लिए छोड़ नहीं सकता। इसे संभव बनाने के लिए, और राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल के 'निष्पक्षता एवं न्याय' सिद्धांत के अनुसार, नीति बनाते वक्त मानव पूंजी निवेश, खेती और कृषि का पुनर्निर्माण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र सहित उचित ग्रामीण बुनियादी ढांचे की स्थापना और इस प्रक्रिया में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए पर्याप्त राजकोषीय संसाधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। संक्षेप में, यह वही है जो प्रधानमंत्री का 'सबका साथ... सबका विकास' वाला नारा कहता है, उसकी प्राप्ति के लिए रूपरेखा आर्थिक सोच एवं दृष्टिकोण और रुख में आमूल-चूल बदलाव लाकर फिर से तैयार की जा सकती थी। चूंकि वाजपेयी सरकार केवल 13 दिनों तक चली, इसलिए वह विचार जो परिवर्तनकारी बदलाव के लिए एक मजबूत नींव रख सकता था, वह भी गुम हो गया। मैं यह इसलिए साझा कर रहा हूं क्योंकि सकल बजट में खेती के लिए आवंटन और भी कम हो गया है। यह देखते हुए कि कृषि पर करोड़ों लोगों की आजीविका निर्भर है, यह चिंताजनक है। 2019-20 में पहले से ही काफी कम रख गए अंश यानी 5.44 प्रतिशत के बाद, कृषि का हिस्सा 2024-25 के बजट में और गिरकर 3.15 फीसदी रह गया है। यह जानते हुए कि यह राजनीतिक और आर्थिक कारक -जिन पर बड़े कारोबारियों का काफी प्रभाव है- संसाधन आवंटन पर हावी है, गलती की भ्रंश रेखाएं स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। देश की 42.3 प्रतिशत आबादी अभी भी कृषि में लगी हुई है, इसकी वृद्धि दर वर्तमान में 1.4 प्रतिशत के आसपास मंडरा रही है। इससे भी बदतर यह है कि औसत कृषि आय में भारी गिरावट आई है। वास्तविक ग्रामीण मजदूरी एक दशक से अधिक समय से स्थिर है। निरंतर जारी कृषि संकट इतना गंभीर है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जैसा कि मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं, यह इसलिए क्योंकि खेती को जानबूझकर पिछड़ा रखा गया। अनेकानेक अध्ययन दर्शाते हैं कि अगर विकल्प मिले तो लगभग 60 प्रतिशत किसान खेती छोड़ना चाहते हैं। और अगर आप हैरान हो रहे हैं कि भारतीय किसानों की हालत इतनी खराब कैसे है, तो कृषि की मौत के संकेतकों में सबसे ऊपर है, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) द्वारा हाल ही में किया गया एक अध्ययन।

एक या दो दिन बाद, नई दिल्ली में कुछ जाने-माने अर्थशास्त्रियों के साथ बंद कमरे में बैठक हुई। चूंकि बतौर निर्वाचित-प्रधानमंत्री वे इसमें शामिल नहीं हो सकते थे, लिहाजा एक अन्य राजनीतिक दिग्गज मुरली मनोहर जोशी ने बैठक की अध्यक्षता की। अर्थशास्त्रियों को अपने सुझाव इस बाबत देने को कहा गया कि एनडीए सरकार को किस किस्म की आर्थिक नीतियां लानी चाहिए ताकि उसे आगे चलकर सत्ता विरोधी लहर का सामना न करना पड़े। उपस्थित अधिकांश अर्थशास्त्री चाहते थे कि राजकोषीय घाटे पर कड़ी नजर रखी जाए और चालू-खाता घाटा कम करने के तरीके खोजे जाएं। चिन्हित मुद्दों पर काफी विचार हुआ और निश्चित रूप से अन्य अहम विषयों पर भी चर्चा हुई, मसलन, रोजगार सृजन, विनिर्माण एवं निर्यात को बढ़ावा देना इत्यादि।

आप का नजरीया

पत्थरों से टूटता हिमाचल

निशाने पर सरकारी संपत्तियों की आबरू और पत्थरबाजों के नित नए किस्से हिमाचल में शिरकत करने लगे। ऊना में वंदे भारत एक्सप्रेस लगातार दो बार पथराव का शिकार बनकर शिकायत कर रही है कि किसे इसकी फुर्सत और इस हिमाकत की वजह क्या है। पथराव में साधे गए निशानों की फिरकियां, किसी गहरी साजिश का हिस्सा हो सकती हैं। हिमाचल में भी ऐसे हालात क्यों होने लगे कि पत्थरबाज भी कहर ढाने लगे। वंदे भारत सिर्फ एक ट्रेरन नहीं, दिल्ली और हिमाचल के बीच रेल यात्रा का अहम पड़ाव भी है। यह एक ऐसा विकास मॉडल है जिसके ऊपर हिमाचल के विश्वास व विस्तार की गुंजाइश दिखाई देती है। ऐसे में पत्थरों से खेलते लोग क्या पैगाम दे रहे या दहशत के सरगना क्यों नन्हीं पटरियों पर कालिख पोत रहे हैं। अभी तो हिमाचल के रेल और रेल की पटरियां बाल्याकाल में हैं और अमन की यात्रा को छीनने की कोशिश शुरू हो गई। यूं तो वंदे भारत की मंजिल पर खड़ा ऊना हिमाचल में रेलवे विस्तार का प्रवेश द्वार है और इसी रास्ते से फिलहाल

एसओजी ने पांच ट्रेनी एसआई को लिया हिरासत में, कभी भी गिरफ्तारी संभव

जयपुर (हिंस)। एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में 5 ट्रेनी एसआई हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसओजी की टीम बुधवार को भी राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंची और 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया। पूछताछ के बाद उनकी गिरफ्तारी संभव है। मामले में अब तक 45 ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी हो चुकी है। गौरतलब है कि दो दिन पहले रविवार को एसओजी ने आरपीए में ट्रेनिंग कर रहे दो ट्रेनी एसआई सगे भाई-बहन दिनेश (27) और प्रियंका (28) को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में पता चला कि पेपर लीक से जुड़े और भी ट्रेनी एसआई ट्रेनिंग ले रहे हैं। पूछताछ में मिली जानकारी के बाद एसओजी ने जांच शुरू की। पांच लोगों का नाम सामने आने के बाद एसओजी ने उसके खिलाफ जुटाए। बुधवार सुबह 8 बजे एसओजी की टीम ट्रेनिंग सेंटर पहुंची, जहां से 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लेकर एसओजी मुख्यालय लाया गया है। पेपर लीक केस में पकड़े गए दिनेश और प्रियंका के मामले में कई खुलासे हो चुके हैं। दिनेश और प्रियंका के पिता भागीरथ विश्नोई की मुलाकात साल 2021 में जोधपुर जेल में भूपेंद्र सारण के भाई गोपाल सारण और ओमप्रकाश फौजी से हुई थी। भागीरथ विश्नोई एनडीपीएस के एक केस में जेल गया हुआ था। इस दौरान गोपाल सारण ने भागीरथ विश्नोई को उसके बेटे-बेटी के लिए एसआई भर्ती का पेपर दिलाने की बात कही थी। अफीम तस्कर भागीरथ विश्नोई ने गोपाल सारण को एसआई भर्ती पेपर के लिए 15 लाख रुपए दिए थे। गोपाल सारण ने अपने भाई भूपेंद्र सारण से पेपर लेकर परीक्षा से पहले जयपुर के हीरा पुरा में प्रियंका को दिया था। दूसरी शिफ्ट का पेपर दिनेश के मोबाइल पर भेजा। एसओजी की जांच में पुष्टि होने के बाद एसओजी ने भागीरथ की गिरफ्तारी के लिए कई जगहों पर दबिश दी, लेकिन वह अभी फरार चल रहा हैं। एसओजी एएसपी रामसिंह ने बताया कि दिनेश और प्रियंका से इनपुट मिलने के बाद टीम ट्रेनिंग सेंटर पहुंची। जिन पांच ट्रेनी एसआई के नाम सामने आए थे, वे पांचों सेमिनार हॉल में थे। इन्हें हॉल से बाहर बुलाया गया। जैसे ही उनको पता चला कि एसओजी की टीम पूछताछ के लिए आई है तो इनके पसीने छूटने लगे। इसके बाद इनसे हॉल के बाहर ही पूछताछ की गई और फिर इन्हें साथ लेकर एसओजी मुख्यालय आ गई। उन्होंने बताया कि अभी पांचों हिरासत में है और कभी भी इनकी गिरफ्तारी हो सकती है। एसआई भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 45 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी। वहीं एसआई भर्ती 2021 धांधली मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाली वर्षा बिश्नोई को सोमवार सुबह जोधपुर रेंज की टीम ने कोटा से गिरफ्तार किया था। जो काफी समय से स्टूडेंट बनकर फरारी काट रही थी। अब एसओज वांटेड वर्षा बिश्नोई से पूछताछ करेगी। वर्षा जालोर के सांचौर के सरनाऊ गांव की रहने वाली है। भूपेंद्र सारण साल 2011 में जीएनएम भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। वह फिलहाल जेल में है। एटीएस एसओजी ने सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक मामले में भूपेंद्र सारण को बेंगलुरू एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। वहीं एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य रामू राम राईका, उसके बेटे देवेश राईका और बेटी शोभा राईका की भी गिरफ्तारी हुई है। रामूराम राईका ने अपने बेटे-बेटी के लिए एसआई परीक्षा से 6 दिन पहले ही पेपर की व्यवस्था कर दी थी। रामूराम जानता था कि बेटे-बेटी पेपर को भी एक-दो दिन में पढ़कर पास नहीं कर सकते। इसलिए छह दिन तक दोनों बच्चों को पेपर की तैयारी कराई गई। राईका ने पूछताछ में बताया था कि उसे पेपर तत्कालीन आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा से मिला था। इसके बाद निलंबित मेंबर कटारा को भी जयपुर सेंट्रल जेल से प्रोडेक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लिया गया। जब देवेश और शोभा से एसओजी ने पूछताछ की तो उन्होंने बताया था कि ट्रेनिंग सेंटर में और भी एसआई हैं, जो पेपर लीक से जुड़े हैं। इसके बाद दिनेश और प्रियंका की गिरफ्तारी हुई थी।

भाजपा विधायक से हाथापाई के बाद निर्वाचन प्रक्रिया हुई स्थगित

लखीमपुर खीरी (हिंस)। भाजपा सदर विधायक योगेश वर्मा और बार काउंसिल के जिला अध्यक्ष अवधेश सिंह के बीच हुई हाथापाई के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा लखीमपुर अर्बन कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की चुनाव प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है। आपको बता दें कि बुधवार को अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चुनाव प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान भाजपा सदर विधायक योगेश वर्मा और अधिवक्ता संघ के जिला अध्यक्ष अवधेश सिंह के बीच किसी बात को लेकर नोकझोंक हो गई। इस बीच पुलिस के सामने ही हाथापाई की नौबत आ गई। इस दौरान सदर विधायक योगेश वर्मा ने आरोप लगाया कि पुलिस के सामने अवधेश सिंह ने उनसे हाथापाई की है, जिसमें उनका कुर्ता तक फट गया। इसके बाद सदर विधायक के समर्थकों ने जमकर नारेबाजी की। सदर कोतवाल ने बताया कि घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं इस प्रकरण के चलते अर्बन कोऑपरेटिव सोसाइटी बैंक का चुनाव स्थगित कर दिया गया।

सीएम को अदालत ने दी विदेश जाने की सशर्त अनुमति

जयपुर (हिंस)। जिले के अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-4 ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को 13 अक्तूबर से 25 अक्तूबर तक जर्मनी और यूके जाने की सशर्त अनुमति दे दी है। अदालत ने यह आदेश सीएम भजनलाल शर्मा के प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा है कि विदेश जाने से पूर्व यात्रा का विवरण अदालत में पेश किया जाए। इसके अलावा विदेश यात्रा से आने पर इसकी सूचना तत्काल अदालत में पेश की जाए। वहीं उनकी अनुपस्थिति के आधार पर अदालत की कार्रवाई में कोई रुकावट नहीं की जाएगी और ना ही अनावश्यक स्थगन लिया जाए। मुख्यमंत्री की ओर से अधिवक्ता अश्विनी बोहरा ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा गया कि प्रार्थी के खिलाफ एक मामले में 30 सितंबर 2013 को कोर्ट में चालान पेश किया था। यह मामला पिछले 11 साल से पेंडिंग चल रहा है। प्रार्थी प्रदेश का मुख्यमंत्री हैं और उन्हें अक्सर राजकार्य से बाहर जाना पड़ता है। उन्हें राइजिंग राजस्थान कार्यक्रम के तहत विदेशी निवेशकों से चर्चा व संवाद और प्रदेश में निवेश के निमंत्रण के लिए यूके व जर्मनी की यात्रा करनी प्रस्तावित है। ऐसे में उन्हें राजकार्य के हितार्थ 13 से 25 अक्तूबर तक यूके और जर्मनी की यात्रा का कार्यक्रम भी तय हो गया है। वे राजकार्य करने के बाद बिना देरी किए वापस आ जाएंगे। पूर्व में भी इस संबंध में एक व्यक्ति सांवरमल ने एक प्रार्थना पत्र पेश किया था जो कोर्ट में पेंडिंग है। उन्होंने अग्रिम जमानत की शर्तों की अवहेलना नहीं की है। केस में कोई नया विवाद या नई पेचिदगियां पैदा नहीं हो, इसके लिए कोर्ट से विदेश जाने की मंजूरी लेने के लिए प्रार्थना पत्र दायर किया है। इसलिए उन्हें विदेश जाने की मंजूरी दी जाए। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के दौरान सांवरमल की ओर से प्रार्थना पत्र की कॉपी दिलाने की गुहार की। इस पर अदालत ने सीएम के अधिवक्ता के तर्कों से सहमत होते हुए कहा कि वे प्रकरण के प्रासंगिक व्यक्ति नहीं है। इसलिए उन्हें प्रार्थना पत्र की कॉपी उपलब्ध कराने का कोई आधार नहीं है।

25 हजार ज्वाइनिंग करवाकर ही शपथ लें सीएम नायब सैनी : नवीन जयहिंद

रोहतक (हिंस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव के आए नतीजो को लेकर जयहिंद सेना प्रमुख नवीन ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में पढ़े-लिखे बेरोजगारों का अहम योगदान है और अब 25 हजार ज्वाइनिंग करवाकर ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शपथ ले, क्योंकि चुनाव के दौरान मुख्यमंत्री ने युवाओं से वायदा किया था कि वह युवाओं को ज्वाईनिंग करवा कर ही शपथ लेगे। साथ ही उन्होंने कांग्रेस द्वारा ईवीएम पर हार का ठिकरा फोडने को लेकर कहा कि ईवीएम बेवफा नहीं है, खुर्द की बैटरी चार्ज नहीं थी, इसलिए ईवीएम पर आरोप लगाना ठीक नहीं है। जनता ने जो अपना मेंडेट दिया है वह सभी को स्वीकार होना चाहिए। हार-जीत तो चलती रहती है। हारने वाले जनता के लिए संघर्ष करे और जितने वाले जनता की सेवा करे, क्युकी पांच महीने संघर्ष करने से सरकार नहीं आती पांच साल संघर्ष करना पड़ता है। जनता बहुत समझदार हो चुकी है। विधानसभा चुनाव में बडे बडे दिगजों के हार जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुत से परिवार जो पुश्तो से राजनीति कर आ रहे है, जनता ने वोट की चोट से उन्हें

हराया है और एक अच्छी बात यही भी हुई है कि जनता ने बहुत से नौजवानों को भी जीता कर विधानसभा में भेजने का काम किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा जनता ने परिवारवाद की राजनीति को खत्म कर दिया है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी व नायाब सिंह सैनी से अपील की कि जिस तरह से चुनाव में कांग्रेस ने ब्राहमण समाज से डिप्टी सीएम बनाने की बात कही थी, उसी तरह भाजपा को भी एक ब्राहमण डिप्टी सीएम बनाना चाहिए, क्योकि आठ सीटो पर ब्राहमण समाज के लोग जीते है और जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उनका उतना हक तो मिलना चाहिए।

केंद्र सरकार के आदेश के बाद अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों जारी होगी छात्रवृति

जयपुर (हिंस)। अब राज्य के अनुसूचित जनजाति वर्ग के छात्र छात्राओं को छात्रवृति के लिए अधिक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-23 और वर्ष 2023-24 के अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के तहत बकाया हिस्सा जारी करने के आदेश कर दिए है। अब शीघ्र ही छात्रों को लंबित छात्रवृति का भुगतान कर दिया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि केंद्र सरकार ने कुल 250 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया है। इस बजट से अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के शैक्षणिक क्षेत्र 2022-23 और 2023-24 के जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति से लाभान्वित किया जा सकेगा।

ऑपरेशन भोकाल : पुलिस ने आरोपियों के हाथों में तख्तियां दे परेड करवाई

बाड़मेर (हिंस)। जोधपुर रेंज पुलिस की ओर से ऑपरेशन भोकाल चलाया जा रहा है। इसके तहत बाड़मेर डीएसटी और कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थ के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसमें एक ड्रग्स सप्लायर है। आरोपियों के कब्जे से 31 ग्राम एमडी पाउडर जब्त किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। वहां से रिमांड पर भेजने के बाद पुलिस ने शहर के मुख्य मार्गों से हाथों में तख्तियां लिए परेड करवाई। कोर्ट से कोतवाली तक करीब दो किलोमीटर तक पैदल घुमाया। पुलिस को सूचना मिली थी कि सार्वजनिक श्मशान घाट के पास ड्रग्स लेकर युवक घूम रहे हैं। इस पर डीएसटी और कोतवाली पुलिस ने इलाके में दबिश दी। बाइक सवार युवकों को रुकवाकर पूछताछ की गई। पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर दोनों युवकों की तलाशी ली गई। विक्रम कुमार के पास से 20 ग्राम एमडी और रामचंद्र के पास से 11 ग्राम एमडी पाउडर मिला। कुल 31 ग्राम पाउडर बरामद किया। दोनों आरोपियों को डिटेन कर बाइक को जब्त कर लिया। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि विक्रम कुमार पुत्र डूगराराम निवासी

शिव और रामचंद्र पुत्र चैनाराम निवासी भीमड़ा को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो उन्होंने एमडी भागीरथराम और रामपाल से लाना बताया। इनकी निशानदेही पर सप्लायर भागीरथराम पुत्र लुणाराम निवासी भीमडा को गिरफ्तार किया गया। वहीं सप्लायर रामपाल की तलाश जारी है। कोतवाल लेखराम सियाग के नेतृत्व में तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद वहां से परेड निकाली गई। इस दौरान आरोपित हाथों में तख्तियां लिए हुए थे। जिस पर लिखा था कि मैं नशेड़ी नशे के लिए पैसे नहीं होने पर चोरियां, लूट, डकैती जैसे अपराध करते हैं।

फतेहाबाद : चुनाव नतीजों के बाद नेता पार्टी के गद्दारों पर निकालने लगे भड़ास

फतेहाबाद (हिंस)। विधानसभा चुनाव का परिणाम घोषित हो चुका है। अब चुनाव जीतने और हारने वाले नेता पार्टी से गद्दारी करने वाले नेताओं पर जमकर भड़ास निकाल रहे हैं। फतेहाबाद से कांग्रेस टिकट पर चुनाव जीते बलवान सिंह दौलतपुरिया ने जहां अंदरखाते उनका विरोध करने वाले वरिष्ठ नेता को आड़े हाथ लिया वहीं टोहाना से भाजपा टिकट पर चुनाव हारे पूर्व मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेता को जमकर कोसा। टोहाना से भाजपा प्रत्याशी रहे देवेंद्र बबली ने अपनी हार का ठीकरा पार्टी के कुछ जयचंदों पर फोड़ा है। इशारों-इशारों में उन्होंने भाजपा सांसद सुभाष बराला को जमकर खरी-खोटी सुनाई। देवेंद्र बबली ने कहा कि इस मामले में पार्टी हाईकमान संज्ञान अवश्य लेगी। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद बुधवार को देवेंद्र बबली पत्रकारों से रूबरू हुए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने लोकतंत्र के पर्व को धूमधाम से मनाने व टोहानावासियों द्वारा चुनावों में दिए गए सहयोग के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने प्रदेश में तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने पर प्रदेशवासियों का भी आभार जताया। बबली ने कहा कि वह जनता के फैसले को स्वीकार करते हैं। उन्होंने जनता की सेवा करने व सम्मान देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो कमी रह गई है, उसे पूरा करेंगे। उन्होंने कहा कि मै उन जयचंदों का भी धन्यवादी हूं, जिन्होंने टोहाना के विकास को रोकने के लिए पूरा जोर लगा दिया। कार्यकर्ताओं ने पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ा लेकिन कुछ लोगों ने भीतरघात किया है, जोकि पार्टी के संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपनी मां बताने वाले ऐसे लोगों ने उसी मां की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। फतेहाबाद के विधायक बने दौलतपुरिया ने भी अपनी पार्टी वरिष्ठ नेता को बताया गद्दार फतेहाबाद से कड़े मुकाबले में कुछ ही वोटों से जीत हासिल करने वाले कांग्रेस के बलवान सिंह दौलतपुरिया ने अपनी ही पार्टी के कुछ नेताओं को जयचंद बताते हुए उन पर जमकर भड़ास निकाली है। बलवान सिंह दौलतपुरिया को शैलजा गुट का माना जाता है। उनके चुनाव में हुड्डा गुट के नेता कहीं नजर नहीं आए थे। इससे बलवान सिंह दौलतपुरिया काफी नाराज है। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खासमखास माने जाने वाले पूर्व सीपीएस एवं कांग्रेस टिकट के दावेदार रहे प्रहलाद सिंह गिल्लाखेड़ा का नाम न लेते हुए दौलतपुरिया ने उन्हें गद्दार करार दे दिया। कांग्रेस विधायक बने बलवान सिंह दौलतपुरिया ने कहा कि उन्होंने कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत की बदौलत यह जीत हासिल की है, जिसके लिए कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं लेकिन इस चुनाव में कुछ जयचंदों ने पार्टी की पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। जो लोग कहते थे कि हम वफादार हैं, इसलिए हकदार है। यह वफादारी हवा का छोटा सा झोंका भी नहीं ओट सकी। यह वफादारी कागज से भी पतली निकलेगी, यह मैंने सोचा भी नहीं था। दौलतपुरिया ने कहा कि इन लोगों ने पार्टी की दो बार जमानत जब्त करवाई। आज नाराज होते हैं कि मेरी टिकट काट दी, क्या तीसरी बार जमानत जब्त करवाना चाहता था। पार्टी को भली भांति पता था कि इस आदमी को टिकट दे दी तो इस बार भी जमानत जब्त करवा देगा, इसलिए पार्टी ने उसका कहीं पैनल में भी नाम नहीं भेजा। अपने बूथ पर कांग्रेस का झंडा लगाकर कमल के फूल के निशान का प्रचार कर रहा था। इनको शर्म आनी चाहिए, ये पार्टी के गद्दार हैं, जयचंद हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस आज

जयपुर (हिंस)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा हर वर्ष दस अक्तूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और कही न कही स्वस्थ तन के लिए स्वस्थ मन का होना भी आवश्यक है। यह दिवस हमें अपने व दूसरों की मनोस्थिति का ध्यान रखने व खुलकर बात करने की प्रेरणा देता है। मदद लेना व देना दोनों ही साहस का प्रतीक है। मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ अमित निझावन और डॉ प्रदीप शर्मा के अनुसार वर्ष 2024 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का विषय कार्यक्षेत्र में मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना है। कर्मचारियों की उत्पादकता व रचनात्मकता का उनकी मनोस्थिति से सीधा संबंध होता है। यदि किसी व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उसके कार्य प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ता है। इसके कारण उसकी व्यक्तिगत उन्नति व संस्थागत उन्नति दोनों बराबर प्रभावित होती हैं।

स्पा सेंटर पर कलक्टर टीना डाबी की छापेमारी से हड़कंप

बाड़मेर (हिंस)। शहर के चामुंडा सर्किल पर कलेक्टर टीना डाबी ने बुधवार को एक स्पा सेंटर पर छापा मारा। जहां से पांच लड़कियों समेत सात लोगों को पकड़ थाने पहुंचाया गया। कलेक्टर टीना डाबी को देख स्पा सेंटर संचालक ने ताला लगा दिया था। जब उसे गेट खोलने का कहा तो वह माना नहीं। इस पर टीना डाबी भड़क गई और कहा कि जब तक गेट नहीं खुलेगा तब तक यहीं खड़ी रहूंगी। चाहे गेट तोड़ना पड़े। इस मामले में सात लोगों को डिटेन कर कोतवाली थाने भेजा गया है। जहां जांच के बाद मामला दर्ज कर इनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। शहर के चौहटन चौराहे से चामुंडा चौराहे तक नेशनल हाईवे 68 पर जिला कलेक्टर टीना डाबी के नेतृत्व में सफाई अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारियों के साथ जिला कलक्टर चामुंडा चौराहे के पास एक स्पा सेंटर

के आगे पहुंची तो संचालक ने हड़बड़ा कर अंदर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद जिला कलक्टर को शक हुआ और तुरंत अतिरिक्त जिला कलक्टर, एसडीएम व यूआईटी सचिव ने दरवाजा तोड़कर अंदर तलाशी ली तो स्पा सेंटर के अलग अलग कमरों में चार युवतियां और दो युवक मिले, जिसके बाद तुरंत पुलिस टीम को मौके पर बुलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पांच युवतियों और दो युवकों को दस्तयाब कर कोतवाली थाने ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। सदर सीआई सत्यप्रकाश का कहना है कि हम लोग कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आए थे।

हरियाणा के मतदाताओं का हृदय से आभार : लाजवंती झा

सहरसा (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी महिला प्रकोष्ठ के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष लाजवंती झा हरियाणा विधानसभा में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने पर वहां के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है। लाजवंती झा ने कहा कि भाजपा को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करती हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रति विश्वास का ये जीत है। हरियाणा के लोगों को विश्वास है कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री एवं भाजपा की सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी। इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले सभी कार्यकर्ता साथियों को बहुत-बहुत बधाई! उन्होंने कहा कि आपने ना केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री द्वारा महिला सशक्तिकरण, नारी सुरक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, जन-धन खाता, उज्जवला योजना जैसे कई आवश्यक कदम उठाए है। जिसके कारण महिलाओ नें इस बार पुन: भाजपा को अपना आशीर्वाद देकर विजयश्री दिलाई है। श्रीमति झा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा के वोट बैंक में वृद्धि हुई है। वही पहले से अधिक सीट प्राप्त हुई।

गिरगिट की तरह बार बार रंग बदलती है कांग्रेस पार्टी : नीरज कुमार बब्लू

सहरसा (हिंस)। हरियाणा एवं जम्मू-कश्मीर में हुए विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित किए जाने पर भाजपा कार्यकर्ताओ में जश्न का माहौल है। हरियाणा प्रदेश में तीसरी बार भाजपा का पूर्ण बहुमत की सरकार बनने पर मंत्री नीरज कुमार बबलू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हर चुनाव में गिरगिट की तरह अपना रंग बदलती रहती है। विगत लोकसभा चुनाव के दौरान के दौरान भारतीय जनता पार्टी को कम सीट मिलने पर कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने ईवीएम को सही ठहराया। कर्नाटक हिमाचल में कांग्रेस की जीत पर ईवीएम एवं चुनाव आयोग को सही ठहराया। लेकिन भाजपा के जीतने पर यह लोग कभी ईवीएम तो कभी चुनाव आयोग के सर पर अपना हार का ठीकरा फोड़ते रहे है। बबलू ने कहा कि हरियाणा की प्रचंड जीत एवं जम्मू कश्मीर में सीट की संख्या में बढ़ोतरी तथा मत प्रतिशत बढ़ने के कारण आगामी होने वाले महाराष्ट्र झारखंड एवं दिल्ली विधानसभा पर भी इसका विशेष प्रभाव पड़ेगा। साथ ही भारतीय जनता पार्टी सभी राज्यों में जनता का विश्वास जीतकर अपनी सरकार बनाएगी। मंत्री रत्नेश

सादा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश काफी प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरियाणा चुनाव में भाजपा की जीतने से कांग्रेस सहित महागठबंधन दलों में मायूसी व्याप्त है। आने वाले दिनों में सभी विधानसभा के चुनाव में एनडीए सरकार अपना बेहतर प्रदर्शन करेगी। इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉ आलोक रंजन ने कहा कि भारत के इतिहास में कभी भी हरियाणा में दोबारा किसी की सत्ता वापस नहीं लौटी लेकिन भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की कर्मठता एवं प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता के कारण लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनाने में सफल रही है। जिला अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा कि हरियाणा एवं जम्मू कश्मीर में हुए बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूल मंत्र पर जनता का विश्वास जीत रही है।

यति नरसिंहानंद के खिलाफ मुस्लिमों ने प्रदर्शन किया

शाहजहांपुर (हिंस)। मुस्लिम पैगंबर पर की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने यति नरसिंहानंद के खिलाफ बुधवार को जनपद में विरोध प्रदर्शन किया। राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। सदर बाजार थाना क्षेत्र में टाउन हॉल स्थित मस्जिद के बाहर भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग इकट्ठा हुए। यति नरसिंहानंद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन करने लगे। भीड़ के कारण सड़क पर जाम लग गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों का कहना है यति नरसिंहानंद ने पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के खिलाफ जो आपत्तिजनक टिप्पणियां की है, उसे बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उनके इस भड़काऊ बयान से मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत हुई हैं। यह पहली बार नहीं है। इससे पहले कई बार यति नरसिंहानंद मुस्लिम समुदाय के पैगंबरों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर चुके हैं। इस दौरान ईदगाह प्रबंध समति की ओर से राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया गया। ज्ञापन के जरिये मांग की गई कि यति नरसिंहानंद के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें तत्काल जेल भेजा जाए। इस मौके पर ईदगाह प्रबंध समति के अध्यक्ष राहत अली खां, सचिव सैय्यद कासिम राजा, शहर इमाम हुजूर अहमद मंजरी सहित भारी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे।

त्योहारी सीजन में कार शोरूमों में अभी से चार गुना बढ़े ग्राहक, दिवाली पर बम्पर बिक्री होने की उम्मीद

नई दिल्ली। अक्टूबर के पहले सप्ताह में कार शोरूमों में ग्राहकों की संख्य चार गुना बढ़ गई। इसी महीने दो बड़े त्योहार दशहरा और दीवाली हैं जिसमें लोग खूब खरीदारी करते हैं। कार डीलर के सूत्रों का कहना है कि पिछले 2 से 3 महीनों की तुलना में ग्राहकों की ओर से पूछताछ और बुकिंग 3 से 4 गुना बढ़ गई है। अगर इसे संकेत के तौर पर देखें तो त्योहारी सीजन की अच्छी शुरुआत मानी जा सकती है। कार डीलरों और वाहन विनिर्माताओं का कहना है कि इस साल त्योहारी सीजन पिछले साल से बेहतर रह सकता है। 2023 में 24 दिन के त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड 5,47,247 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी। वाहन डीलरों के संगठन फाडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर के पहले हफ्ते में शोरूम में संभावित ग्राहकों की आमद करीब 4 गुना बढ़ गई। उन्होंने कहा कि इसके पीछे कई कारण हैं। इस साल चुनावों और फिर प्रचंड गर्मी तथा मॉनसून के दौरान कुछ इलाकों में बाढ़ के कारण यात्री वाहनों की

2023 के त्योहारी सीजन में रिकॉर्ड 5,47,247 यात्री वाहनों की बिक्री हुई थी

बिक्री प्रभावित हुई है। ऐसे में उस दौरान जिन ग्राहकों ने खरीद की योजना टाल दी थी वह भी अब वाहन खरीदने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के वर्षों में खरीदारी नहीं होने और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ था, जिससे टाली गई खरीदारी आने से 2023 में वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री हुई थी। मारुति सुजूकी इंडिया में एक वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा कि अगर हम अगस्त और सितंबर को देखें तो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में ग्राहकों की ओर से पूछताछ 14 फीसदी और बुकिंग 11 फीसदी बढ़ी है। नवरात्र शुरू होते ही खुदरा बिक्री में तेजी दिखने लगी है।' डीलरों के पास फिलहाल करीब 30 दिन की इन्वेंट्री (अनबिके कारों का स्टॉक) है। मुंबई में मारुति सुजूकी के एक डीलर ने कहा कि इस त्योहारी सीजन में ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए हमारे पास वाहनों का पर्याप्त स्टॉक है। दिल्ली के एक अन्य डीलर ने कहा कि इन्वेंट्री पिछले साल की तुलना में थोड़ी कम है। सितंबर में यात्री वाहनों की थोक आपूर्ति 3.55 लाख से 3.60 लाख वाहनों की रही जो पिछले साल की समान अवधि के 3.64 लाख वाहनों से मामूली कम है। कंपनियों ने कहा कि वाहनों की खुदरा बिक्री को ध्यान में रखकर वे अब थोक आपूर्ति बढ़ा रही हैं।

न्यूज ब्रीफ

हुंडई का आईपीओ 15 को खुलेगा, प्राइस बैंड 1865-1960 रुपए प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी हुंडई की भारतीय इकाई हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। कंपनी का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा। हुंडई ने इसका मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 1865-1960 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि एचएमआईएल का आईपीओ 15 अक्टूबर को खुलेगा जो 17 अक्टूबर को बंद होगा। कंपनी के मुताबिक एंकर निवेशक 14 अक्टूबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इसके जरिए का 27,870 करोड़ रुपये (लगभग 3.3 अरब डॉलर) जुटाने की है। इसके लिए मूल्य दायरा 1865-1,960 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी ने कहा कि उसका प्रस्तावित आईपीओ पूरी तरह प्रवर्तक हुंडई मोटर कंपनी द्वारा 14,21,94,700 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। ये आईपीओ भारतीय उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है। दरअसल, दो दशक के बाद कोई वाहन विनिर्माता कंपनी अपना आईपीओ ला रही है। इससे पहले जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी 2003 में आईपीओ लाई थी। उल्लेखनीय है कि यह भारत में सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के आईपीओ का आकार 21 हजार करोड़ रुपये था। एचएमआईएल ने 1996 में भारत में परिचालन शुरू किया था। कंपनी विभिन्न खंड में 13 मॉडल बेच रही है।

सीसीआई ने पतंजलि फूड्स को पतंजलि आयुर्वेद के होम और पर्सनल केयर डिवीजन के अधिग्रहण को दी मंजूरी

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने पतंजलि फूड्स लिमिटेड को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड (पीएएल) के होम और पर्सनल केयर (एचपीसी) डिवीजन के अधिग्रहण करने को अपनी मंजूरी दे दी है। इस संबंध में आयोग का विस्तृत आदेश बाद में आएगा। सीसीआई ने बुधवार को जारी बयान में बताया कि प्रस्तावित इस सौदे में पतंजलि फूड्स लिमिटेड (पीएफएल) के द्वारा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड (पीएएल) के गैर-खाद्य होम एंड पर्सनल केयर (एचपीसी) कारोबार का अधिग्रहण शामिल है। आयोग के मुताबिक पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के एचपीसी प्रभाग में बालों की देखभाल, त्वचा की देखभाल, दंत चिकित्सा देखभाल और घरेलू देखभाल खंडों को कवर करने वाले उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। सीसीआई के मुताबिक पीएफएल तिलहनों के प्रसंस्करण, खाद्य उपयोग के लिए कच्चे तेल के शोधन, तेल खली के उत्पादन, सोया से खाद्य उत्पादों और डाउनस्ट्रीम और अपस्ट्रीम प्रसंस्करण से मूल्य वर्धित उत्पादों के कारोबार में लगी हुई है। यह फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स, फास्ट मूविंग हेल्थ गुड्स के कारोबार में लगी हुई है, जिसमें मुख्य रूप से खाद्य, बिस्कुट और न्यूट्रास्युटिकल उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन और विभिन्न उत्पादों के व्यापार में ये कंपनी लगी हुई है।

चीन को लेकर क्यों सच साबित हुईं आंशकाएं

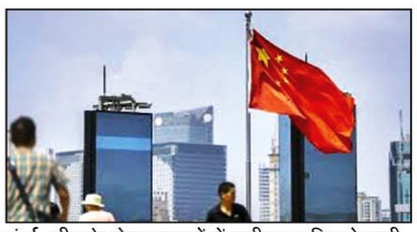

मुंबई। चीन के शेयर बाजारों में करीब 10 दिन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया है। चीनी सरकार ने इकॉनमी में जान डालने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। इसके बाद भारत से विदेशी निवेशकों ने भारी बिकवाली कर चीन में पैसा लगाया था। लेकिन आशंका थी कि चीन की हवाई घोषणाओं का जमीन पर असर देखने को नहीं मिलेगा। इसमें इनवेस्को लिमिटेड, जेपी मॉर्गन एसेट मैनेजमेंट, एचएसबीसी ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग एंड वेल्थ और नोमुरा होल्डिंग्स इंक शामिल थे। आखिरकार उनकी आशंका सही साबित हुई। बुधवार को चीन के शेयर बाजार में गिरावट आई।

एक हफ्ते की छुट्टी के बाद मंगलवार को जब चीन के बाजार खुले थे, तब उसमें काफी तेजी दिखाई दी थी। हालांकि हॉन्ग कॉन्ग के शेयर बाजार में गिरावट आई। सितंबर के अंत से चीनी शेयरों में तेजी आई क्योंकि शी सरकार ने आर्थिक, वित्तीय और बाजार-समर्थन उपायों की बौछार से निवेशकों के विश्वास को फिर से मजबूत किया। हैंग सेंग चाइना एंटरप्राइजेज इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग में लिस्टेड चीनी शेयर शामिल हैं।

तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा में लिए गए फैसले

वित्तीय अनुशासन पर आरबीआई गंभीर, दिसंबर में हो सकता है ब्याज दरों में कटौती का फैसला

सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों पर निर्भर करेगा आरबीआई का फैसला

मुंबई/नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने उम्मीद के अनुरूप लगातार 10वीं बार नीतिगत ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। माना जा रहा है कि आरबीआई ब्याज दरों में बदलाव या कमी करने के पहले सितंबर और अक्टूबर के महंगाई के आंकड़ों की भी समीक्षा करेगा। इन दोनों महीनो में भी अगर महंगाई के आंकड़े अनुकूल रहे, तो दिसंबर के महीने में होने वाली मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों में कटौती करने का फैसला लिया जा सकता है।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) ने पिछले महीने ही ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी। यूएस फेड ने इस साल ब्याज दरों में और 50 बेसिस पॉइंट्स तक की कटौती करने का भी संकेत दिया है। अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के बाद दुनिया के कई देशों में ब्याज दरों में कटौती की गई या राहत पैकेज का ऐलान किया गया। चीन ने हाल में ही राहत पैकेज का ऐलान किया है। इसी तरह न्यूजीलैंड में कल ही ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की कटौती करके उनको 5.25 प्रतिशत से 4.75 प्रतिशत के स्तर पर लाया गया है। न्यूजीलैंड में अगस्त के महीने में भी ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी।

यूएस फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती करने के बाद भारत में भी ब्याज दरों में कटौती होने की चर्चा शुरू हुई थी, लेकिन मिडिल ईस्ट के बढ़ते तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी उथल-पुथल की वजह से शुरुआती चर्चा के दौरान ही ब्याज दरों में कटौती होने की संभावना को खारिज कर दिया गया। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में भी 5-1 के बहुमत से इस बार ब्याज दरों में कोई बदलाव कर नहीं करने का फैसला लिया गया। इसके पहले अगस्त के महीने में भी आरबीआई ने अपनी मॉनेटरी पॉलिसी में ये स्पष्ट कर दिया था कि ब्याज दरों में कमी का उसका कोई भी फैसला घरेलू अर्थव्यवस्था की स्थिति पर निर्भर करेगा।

मार्केट एक्सपर्ट राजीव मोरारका का कहना है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले कई महीनों से लगातार खुदरा महंगाई दर को काबू करने पर अपना फोकस केंद्रित रखा है। आरबीआई की कोशिश के परिणाम भी नजर आ रहे हैं। इन कोशिशों से खुदरा महंगाई दर आरबीआई द्वारा तय लक्ष्य 4 प्रतिशत के काफी करीब पहुंच गई है।

मोरारका के मुताबिक अगर सितंबर और अक्टूबर में भी महंगाई दर नियंत्रण में बनी रही, तो दिसंबर के महीने में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति ब्याज दरों में कमी करने का फैसला ले सकती है। उनका कहना है कि ब्याज दरों में 50 बेसिस पॉइंट्स की कमी की जा सकती है, लेकिन ये कटौती एक बार में करने की जगह दो बार में 25-25 बेसिस पॉइंट्स की कटौती के रूप में हो सकती है।

इसी तरह अरिहंत फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ वैभव जैन का कहना है कि रिजर्व बैंक को एक साथ दो मोर्चों पर अपना ध्यान केंद्रित करना पड़ रहा है। आरबीआई पर एक ओर तो खुदरा महंगाई दर को नियंत्रित रखने का दबाव है, तो दूसरी ओर देश की आर्थिक वृद्धि दर को भी तेज बनाए रखने की चुनौती है। कोरोना काल के दबाव के कारण दुनिया भर के ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था काफी प्रभावित हुई है। ज्यादातर देशों की विकास सुस्त हुई है या फिर घट गई है। दूसरी ओर, लेकिन कोरोना के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही है। खासकर, कोरोना काल खत्म होने के बाद भारतीय अवस्था में अर्थव्यवस्था में जबरदस्त तेजी का रुख बना है। विकास दर में आई इस तेजी का पूरा श्रेय भारत सरकार की नीतियों और रिजर्व बैंक के वित्तीय अनुशासन को जाता है। आरबीआई आगे भी वित्तीय अनुशासन को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि तमाम मार्केट प्रेशर के बावजूद केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक नीति में कोई लचीलापन नहीं दिख रहा है।

वैभव जैन का कहना है कि ब्याज दरों में कटौती करने से लिक्विडिटी जरूर बढ़ेगी लेकिन इससे एक बार फिर खुदरा महंगाई दर में तेजी आने की संभावना बन सकती है। इसीलिए आरबीआई ने आज ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करके इस बात का स्पष्ट संकेत दे दिया है कि जब तक स्थितियां पूरी तरह से अनुकूल नहीं होंगी, तब तक ब्याज दरों में बदलाव या कटौती नहीं की जाएगी। वित्तीय अनुशासन से ही महंगाई पर पूरी तरह से काबू पाने में सफलता मिल सकती है और देश के विकास दर की रफ्तार भी उम्मीद के अनुरूप रखी जा सकती है।

जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का जताया अनुमान

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई गवर्नर ने 7 अक्टूबर से शुरू तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। शक्तिकांत दास ने बैठक के बाद मीडिया को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में वास्तविक जीडीपी में वृद्धि 6.7 फीसदी हुई है।

अब यूपीआई लाइट के जरिए एक बार में होगा एक हजार रुपये का भुगतान

वॉलेट की सीमा 2000 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये की गई

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की बढ़ती लोकप्रियता को बढ़ावा देने के मकसद से यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा बढ़ाकर एक हजार रुपये और वॉलेट की सीमा 5 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया है। फिलहाल यूपीआई लाइट के जरिए लेन-देन की सीमा 500 रुपये और 2 हजार रुपये है। आरबीआई इस बारे में जल्दी ही दिशा-निर्देश जारी करेगा।

तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा में लिए गए फैसले की जानकारी देते हुए बुधवार को आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और समावेशी बनाकर देश के वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी आरबीआई की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा 'यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी।

शक्तिकांत दास ने आगे कहा कि यूपीआई के उपयोग को और प्रोत्साहित करने तथा और समावेशी बनाने को लेकर यूपीआई 123 पे में प्रति लेन-देन की सीमा 5 हजार रुपये से बढ़ाकर 10 हजार रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके साथ ही यूपीआई वॉलेट की सीमा 2 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने और प्रति लेन-देन की सीमा को भी एक हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण (एनईएफटी) और रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट सिस्टम (आरटीजीएस) में भी कोष अंतरण को अंतिम रूप देने से पहले यूपीआई और तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) की तरह खाताधारक के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वर्तमान में यूपीआई और आईएमपीएस के तहत पैसा भेजने से पहले भेजने वाले को प्राप्तकर्ता यानी लाभार्थी के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है। शक्तिकांत दास ने कहा कि अब आरटीजीएस और एनईएफटी के तहत राशि भेजने से लाभार्थी के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। इससे गलत व्यक्ति को पैसा जाने और धोखाधड़ी की आशंका कम होगी। उन्होंने कहा कि आरबीआई इससे संबंधित दिशा-निर्देश को जल्द ही जारी करेगा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार की तेजी और घरेलू मांग बढ़ने से आसमान पर चांदी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट के तनाव के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव की आशंकाओं की वजह से दुनिया भर के निवेशकों ने बुलियन मार्केट में निवेश बढ़ा दिया है, जिसके कारण सोना ऑल टाइम हाई के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है। सोने के साथ ही चांदी की कीमत में भी जोरदार उछाल दर्ज की गई है। ये चमकीली धातु 97 हजार रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक भी पहुंच चुकी है। माना जा रहा है की दिवाली तक इसकी कीमत एक लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर सकती है।

घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में हाल के दिनों में आए उछाल की मुख्य वजह इंटरनेशनल मार्केट में आई तेजी और घरेलू मांग में हुई बढ़ोतरी को माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत में पिछले 9 महीने के दौरान 9 डॉलर प्रति ऑन्स से अधिक की तेजी आ चुकी है। इस साल 1 जनवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 23.19 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर कारोबार कर रही थी। 9 महीने में ही चांदी की कीमत 32.20 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर पहुंच गई। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर मिडिल ईस्ट के तनाव में और बढ़ोतरी हुई, तो चांदी की कीमत 38 से 40 डॉलर प्रति ऑन्स तक पहुंच सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी आने का सीधा असर भारत के सर्राफा बाजार पर भी पड़ेगा, क्योंकि सोने की तरह चांदी के लिए भी भारतीय बाजार काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले आयात पर ही निर्भर करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अगर चांदी की कीमत में उछाल आया, तो भारतीय सर्राफा बाजार में भी चांदी की कीमत तेज हो जाएगी। भारतीय सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में तेजी आने की एक वजह घरेलू डिमांड में बढ़ोतरी होना भी है। 2023-24 में भारत में इंटरनेशनल मार्केट से 11 हजार करोड़ रुपये की चांदी का आयात हुआ, जबकि इसके पहले वाले साल 2022-23 सिर्फ 1,300 करोड़ रुपये की चांदी मंगाई गई थी। चांदी की मांग में आई तेजी की सबसे बड़ी वजह इंडस्ट्रियल सेक्टर में इसकी मांग में बढ़ोतरी होना है। विशेष रूप कर सोलर एनर्जी सेक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में चांदी की मांग में काफी तेजी आई है। चांदी की मांग में बढ़ोतरी होने के कारण भी घरेलू बाजार में इस चमकीली धातु की कीमत लगातार तेज हो रही है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार पिछले चार सालों के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग में लगातार तेजी आई है, लेकिन मांग की तुलना में चांदी की सप्लाई में अधिक बढ़ोतरी नहीं हुई है।

सस्ती हुई चांदी, सोना के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना सपाट स्तर पर बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी के भाव में करीब 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के सपाट स्तर पर कारोबार करने की वजह से देश के अधिकांश सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,590 रुपये से लेकर 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये से लेकर 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। वहीं चांदी की कीमत में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 95,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना बुधवार को 77,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,040 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना बुधवार को 77,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,490 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,140 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना बुधवार को भी 77,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 70,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को मजबूत संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना और टेक शेयरों में आई तेजी की वजह से अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच कर बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,751.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 259.01 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,182.92 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,018.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान गिरावट का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 113.01 अंक यानी 1.38 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,190.61 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.73 प्रतिशत टूट कर 7,521.32 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,066.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोरिया के स्टॉक मार्केट में छुट्टी होने की वजह से कोस्पी इंडेक्स में कोई कारोबार नहीं हो रहा है। चीन के राहत पैकेज की वजह से चीन और हांगकांग के स्टॉक मार्केट में आई तेजी का बुलबुला अब फूटने लगा है। शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 184.94 अंक यानी 5.60 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 3,304.84 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स भी 291.68 अंक यानी 1.41 प्रतिशत टूट कर 20,635.11 अंक तक लुढ़क गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स से 0.07 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 7,551.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 25,174.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,589.19 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में बुधवार को बड़ी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल ये सूचकांक 329.48 अंक यानी 0.85 प्रतिशत उछल कर 39,267.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 164.93 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,776.32 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,455.36 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही आरआईएल के लिए कमजोर साबित होगी, चार ब्रोकरेज फर्म का अनुमान

मुंबई। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के मामले में सितंबर 2024 में समाप्त हुई तिमाही (वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही) एक और कमजोर तिमाही साबित हो सकती है, क्योंकि रिफाइनिंग मार्जिन में गिरावट दिखी गई है। ब्रोकरेज कंपनियों आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज और नुवामा को इसकी आशंका है कि वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में दर्ज किए गए लाभ में एक साल पहले के मुकाबले एक से लेकर 13 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। विश्लेषकों के उपलब्ध अनुमानों के आधार पर इस अवधि के दौरान राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। उपलब्ध विश्लेषक अनुमानों के आधार पर, इसी अवधि के लिए राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। नुवामा के विश्लेषकों ने कहा कि उन्हें ओ2सी (तेल से लेकर रसायन) श्रेणी में नरमी के कारण कंपनी के समेकित एबिटा में छह प्रतिशत की गिरावट के आसार नजर आ रहे हैं। आंशिक रूप से इसकी भरपाई उपभोक्ता कारोबारों तथा तेल और गैस श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन से की जा रही है। ब्रोकरेज कंपनी को उम्मीद है कि ओ2सी कारोबार के मामले में एबिटा एक साल पहले की तुलना में 27 प्रतिशत कम होगा। ओ2सी आरआईएल की तेल से लेकर रसायन वाली श्रेणी है। तेल से लेकर दूरसंचार तक में कारोबार करने वाला यह समूह 14 अक्टूबर को वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करने वाला है।

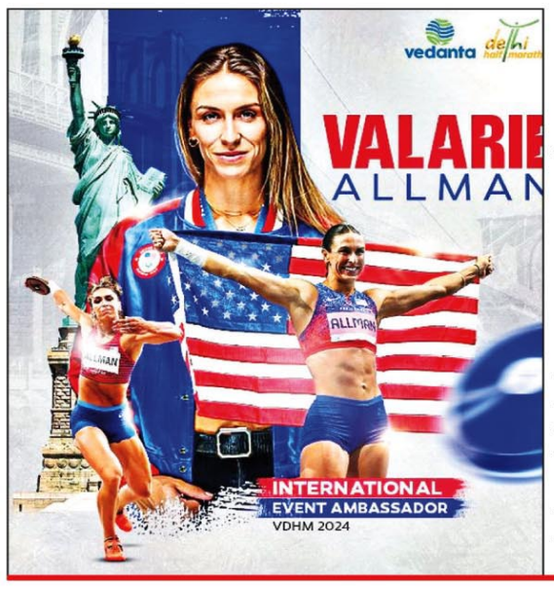

वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2024 की अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर होंगी दो बार की ओलंपिक चैंपियन वैलेरी ऑलमैन

नई दिल्ली।
स्टार अमेरिकी डिस्कस थ्रोअर वैलेरी ऑलमैन, जिन्होंने 2020 टोक्यो ओलंपिक (2021 में आयोजित) और 2024 पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते, को 20 अक्टूबर को होने वाले वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर नामित किया गया है। यह घोषणा रेस प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल द्वारा की गई।

पेरिस में 69.50 मीटर के ऑलमैन के उल्लेखनीय थ्रो ने एक नया अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया, जिसने वैश्विक स्तर पर शीर्ष डिस्कस थ्रोअर में से एक के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया। उनकी ओलंपिक यात्रा टोक्यो 2020 खेलों में स्वर्ण पदक के साथ शुरू हुई, जिसे उन्होंने 68.98 मीटर के शक्तिशाली पहले थ्रो के साथ हासिल किया। अपनी ओलंपिक जीत के अलावा, ऑलमैन दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता भी हैं, जिन्होंने 2023 में रजत और 2022 में कांस्य पदक जीता है।

एथलेटिक्स में ऑलमैन की यात्रा अप्रत्याशित रूप से शुरू हुई। वह शुरू में एक डांसर बनना चाहती थीं, लेकिन उसके बाद हाई स्कूल में उन्हें अपने बड़े भाई से प्रेरणा मिली और उन्होंने ट्रैक और फील्ड के प्रति अपना जुनून दिखाया। वह जल्दी ही प्रसिद्धि में आ गई, 2017 समर यूनिवर्सियाड में रजत पदक जीता और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई।

हालाँकि वह 2017 की विश्व चैंपियनशिप से चूक गईं, लेकिन ऑलमैन की दृढ़ता का फल उसे तब मिला जब उसने टोक्यो 2020 के लिए अमेरिकी ओलंपिक टीम के लिए क्वालीफाई किया, और 2008 के बाद से डिस्कस में ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बन गई। अप्रैल 2022 में ला जोला में ट्राइटन इनविटेशनल में दर्ज किया गया उसका 71.46 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो इतिहास में 15वां और लगभग तीन दशकों में सबसे लंबा है।

2024 के पेरिस ओलंपिक में, ऑलमैन ने 69.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना दबदबा जारी रखा। इस स्पर्धा में उनका प्रभुत्व स्पष्ट था, क्योंकि फाइनल में उनके सभी वैध थ्रो ने उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, चीन की बिन फेंग को लगभग दो मीटर से पीछे छोड़ दिया।

ऑलमैन ने दिल्लीवासियों को संदेश देते हुए कहा, किसी दौड़ प्रतियोगिता का सबसे खूबसूरत पहलू यह है कि यह हमें एक समुदाय के रूप में एक साथ लाती है और इसे व्यापक हित के लिए अपना बनाती है। स्टार्ट लाइन सिर्फ एक दौड़ नहीं है; यह सौहार्द, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का उत्सव है, और सीमाओं को लांघने और नए व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करने की हमारी क्षमता का प्रदर्शन है। मुझे खुशी है कि मैं वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन के लिए भारत आई हूं और ऐसी चीज का हिस्सा बनी हूं जो भारत के जीवंत रंगों को सामने लाती है, #आरंगदेदिल्ली, मुझे पसंद है।

न्यूज ब्रीफ

टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने जो रूट, एलिस्टेयर कुक को छोड़ा पीछे

मुल्तान। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, वह टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने मुल्तान में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन यह उपलब्धि हासिल की। रूट ने मुल्तान क्रिकेट ग्राउंड पर 71 रन का आंकड़ा छूते ही पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। रूट अब तक इंग्लैंड के लिए लंबे प्रारूप में 12513 रन बना चुके हैं, समाचार लिखे जाने तक रूट 111 रन बनाकर नाबाद हैं। कुक ने टेस्ट क्रिकेट में थ्री लायंस के लिए 12472 रन बनाए थे। रूट ने 43वें ओवर में पाकिस्तान के अबरार अहमद के खिलाफ सिर्फ एक सिंगल लेकर यह रिकॉर्ड हासिल किया। ब्रिटिश क्रिकेटर द्वारा रिकॉर्ड हासिल करने के तुरंत बाद इंग्लैंड का ड्रेसिंग रूम खड़ा हो गया और 33 वर्षीय की उपलब्धि का सम्मान करने के लिए तालियाँ बजाने लगा। रूट ने 2012 में भारत के खिलाफ़ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उसके बाद से उन्होंने 146 टेस्ट मैचों और 267 पारियों में 56.93 की स्ट्राइक रेट और 50.62 की औसत से 12513 रन बनाए हैं। लंबे प्रारूप में रूट ने 35 शतक और 5 दोहरे शतक लगाए हैं। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे दिन समाचार लिखे जाने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 337 रन बना लिए हैं, जिसमें हैरी ब्रुक 58 और जो रूट 111 रन बनाकर क्रीज पर हैं। मुल्तान में पहले टेस्ट मैच में पाकिस्तान ने अपनी पहली पारी में 556 रन बनाए थे। अब्दुल्ला शफीक (102), शान मसूद (151) और आगा सलमान (104*) ने शतक लगाया था।

डब्ल्यूबीबीएल : सूजी बेट्स ने विदेशी प्रतिस्थापन के रूप में होबार्ट हरिकेंस के साथ किया करार

होबार्ट। न्यूजीलैंड की अनुभवी खिलाड़ी सूजी बेट्स महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) में पहली बार होबार्ट हरिकेंस के लिए खेलेंगी, उन्हें टूर्नामेंट के अंतिम चरण के लिए विदेशी प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया गया है। 37 वर्षीय बेट्स ने एडिलेड स्ट्राइकर्स, सिडनी सिक्सर्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए आठ सत्रों में 100 डब्ल्यूबीबीएल मैच खेले हैं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक रन बनाने वाली इस खिलाड़ी को इस साल डब्ल्यूबीबीएल ड्राफ्ट में नहीं चुना गया। लेकिन इंग्लैंड के खिलाड़ियों के दक्षिण अफ्रीका दौरे के कारण डब्ल्यूबीबीएल के अंतिम चरण से हटने के कारण, बेट्स को डैनी वायट-हॉज के स्थान पर हरिकेंस द्वारा अनुबंधित किया गया है। इंग्लैंड के टी20 खिलाड़ियों के 17 नवंबर को दक्षिण अफ्रीका पहुंचने की उम्मीद है, जिसके कारण वायट-हॉज डब्ल्यूबीबीएल के अंतिम तीन मैचों और हरिकेंस के क्वालीफाई करने पर फाइनल से बाहर हो जाएंगी।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरुआती मैच से बाहर हुए विलियमसन

वेलिंगटन। केन विलियमसन के भारत रवाना होने में देरी होगी और हाल ही में कमर में खिंचाव के कारण वह बेंगलुरु में होने वाले पहले टेस्ट से बाहर हो गए हैं। विलियमसन को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान असहजता महसूस हुई थी और भारत में टीम में शामिल होने से पहले उन्हें रिहैबिलिटेशन से गुजरना होगा, न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बुधवार (9 अक्टूबर) को एक मीडिया विज्ञप्ति में उक्त जानकारी दी। न्यूजीलैंड के चयनकर्ता सैम वेल्स ने उम्मीद जताई कि विलियमसन रिहैबिलिटेशन पूरा करने के बाद सीरीज में बाद में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। वेल्स ने कहा, हमें जो सलाह मिली है, वह यह है कि केन के लिए सबसे अच्छा उपाय यह है कि वह चोट को और बढ़ाने के जोखिम के बजाय आराम करें और पुनर्वास करें। हमें उम्मीद है कि अगर पुनर्वास योजना के अनुसार होता है तो केन दौरे के उत्तरार्ध के लिए उपलब्ध होंगे। हालांकि दौरे की शुरुआत से केन का उपलब्ध न होना स्पष्ट रूप से निराशाजनक है, लेकिन यह किसी और को एक महत्वपूर्ण श्रृंखला में भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करता है।

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने उत्तराखंड के सीएम धामी से मुलाकात के बाद कहा

मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए तैयार और आश्वस्त हैं

नई दिल्ली।
भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने बुधवार को दिल्ली में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात के बाद 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने की उत्तराखंड की क्षमता पर विश्वास जताया।

पीटी उषा ने कहा, मुझे खुशी है कि उत्तराखंड के सीएम राष्ट्रीय खेलों और शीतकालीन खेलों की अच्छी मेजबानी के लिए तैयार और आश्वस्त हैं।

38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से 14 फरवरी 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित किए जाएंगे। इसका पूरा कार्यक्रम 25 अक्टूबर 2024 को प्रस्तावित भारतीय ओलंपिक संघ की आम सभा की बैठक में जारी किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के साथ-साथ शीतकालीन राष्ट्रीय खेलों का आयोजन भी उत्तराखंड में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उत्तराखंड के लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें 38वें राष्ट्रीय खेलों की जिम्मेदारी मिली है, जिसके लिए उन्होंने पीटी ऊषा का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने उन्हें बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर आने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए उत्तराखंड पूरी तरह तैयार है। राष्ट्रीय खेलों के लिए राज्य में काफी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन भव्य तरीके से किया जाएगा। जिन राज्यों में पिछले राष्ट्रीय खेल आयोजित हुए हैं, उनके अनुभवों के आधार पर राज्य में खेलों को और बेहतर तरीके से आयोजित करने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास होगा कि उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेल अब तक हुए राष्ट्रीय खेलों से भी बेहतर हों। खेलों की अच्छी व्यवस्था के साथ ही उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में देश भर से आने वाले खिलाड़ियों और लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन से यहां के लोगों का मनोबल और प्रोत्साहन भी बढ़ेगा। राष्ट्रीय खेलों के माध्यम से उत्तराखंड को एक अच्छा मंच मिलेगा। हमारे उभरते खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अच्छा अवसर मिलेगा।

फुटबॉल केन्या फेडरेशन के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने दिया इस्तीफा

नैरोबी। फुटबॉल केन्या फेडरेशन (एफकेएफ) के मुख्य कार्यकारी बैरी ओटिएनो ने मंगलवार को औपचारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा शासी निकाय के चुनावों से बमुश्किल दो महीने पहले आया है। संचार अधिकारी से मुख्य कार्यकारी तक का पद संभालने वाले ओटिएनो ने पांच साल तक इस पद पर काम किया था, जिसके बाद अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह अगले एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने का इरादा रखते हैं। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक बयान में ओटिएनो ने कहा, इस प्रतिष्ठित पद पर पांच साल तक काम करने के बाद, मैंने पद छोड़ने और अन्य अवसरों का लाभ उठाने का फैसला किया है। एफकेएफ के साथ मेरा सफर फायदेमंद और परिवर्तनकारी दोनों रहा है। नवंबर 2021 में, ओटिएनो और निक म्वेंडवा, जो एफकेएफ अध्यक्ष के रूप में फिर से चुनाव की मांग कर रहे हैं, को 2017 और 2021 के बीच महासंघ को सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन से संबंधित आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। उस महीने के अंत में, तत्कालीन खेल कैबिनेट सचिव अमीना मोहम्मद ने महासंघ को भंग करने के बाद एफकेएफ को चलाने के लिए एक कार्यवाहक समिति नियुक्त की। विश्व फुटबॉल शासी निकाय फीफा ने तब सरकार द्वारा हस्तक्षेप जारी रखने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। केन्या को मार्च 2022 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से निलंबित कर दिया गया था। फीफा द्वारा नौ महीने बाद अंतरराष्ट्रीय निलंबन समाप्त करने से पहले दोनों के खिलाफ मामला वापस ले लिया गया था और वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद उन्हें फिर से पद पर बहाल कर दिया गया था। दो बार अध्यक्ष रह चुके म्वेंडवा के अलावा, चार अन्य उम्मीदवार - सेवानिवृत्त अंतरराष्ट्रीय सैमी ओविनो, केन्या प्रीमियर लीग लिमिटेड के सीईओ जैक ओगुडा, टॉम अलीला और हुसैन मोहम्मद - भी शीर्ष एफकेएफ सीट पर नजर गड़ाए हुए हैं। केन्या खेल अधिनियम 2013 के अनुसार, शासी निकायों में अधिकारियों को अधिकतम दो कार्यकाल तक सेवा करनी चाहिए, जिससे तकनीकी रूप से म्वेंडवा इस दौड़ से बाहर हो गए, लेकिन महासंघ प्रमुख के अनुसार, एफकेएफ ने 2016 से 2020 तक चलने वाले अपने पहले कार्यकाल के दौरान कानून के साथ खुद को संरेखित नहीं किया था। ओटिएनो को मौजूदा अध्यक्ष की पसंद का उम्मीदवार बताया जा रहा है, अगर म्वेंडवा को चुनाव लड़ने से रोक दिया जाता है।

शंघाई मास्टर्स 2024: अल्कराज सिनर क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

शंघाई।
विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जननिक सिनर का शंघाई मास्टर्स क्वार्टर फाइनल में डेनियल मेदवेदेव से मुकाबला होगा, दोनों ने बुधवार को सीधे सेटों में जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया।

सिनर ने अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-4, 7-6(1) से हराया, जबकि मेदवेदेव ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को 7-6(3), 6-3 से हराया। 16वीं रैंकिंग वाले शेल्टन ने पिछले साल इसी चरण में सिनर को हराया था, लेकिन बुधवार को इटालियन खिलाड़ी शुरू से ही आत्मविश्वास में दिखे और 88 मिनट में जीत दर्ज की। सिनर ने कहा, यह बहुत कठिन था, जब आप उनके खिलाफ खेलते हैं तो आपके पास इतना नियंत्रण नहीं होता... मैंने बस मानसिक रूप से मजबूत रहने की कोशिश की।

दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी मेदवेदेव और सितसिपास 14वीं बार आमने-सामने थे। सितसिपास ने दूसरे सेट की शुरुआत जोरदार तरीके से की, पहले गेम में ब्रेक किया, लेकिन मेदवेदेव ने चौथे और आठवें गेम में ब्रेक करके आगे बढ़ गए। मेदवेदेव और सिनर इस साल टूर्नामेंट के अंतिम चरण में चार बार भिड़ चुके हैं। सिनर ने मियामी में सेमीफाइनल, यूएस ओपन में क्वार्टर फाइनल और ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में मेदवेदेव को हराया था, लेकिन रूसी खिलाड़ी ने विंबलडन में अंतिम आठ में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में इतालवी खिलाड़ी की उम्मीदों को खत्म कर दिया था। क्वार्टर फाइनल में दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज भी पहुंच गए हैं, जिन्होंने एक सप्ताह पहले चाइना ओपन के फाइनल में सिनर को हराया था। 21 वर्षीय अल्कराज ने अनुभवी गेल मोनफिल्स को 6-4, 7-5 से शिकस्त देकर लगातार 12वीं जीत दर्ज की। 38 वर्षीय फ्रांसीसी खिलाड़ी ने अगस्त में सिनसिनाटी में अपनी पिछली मुलाकात में अल्काराज को परेशान किया था, और स्पैनियार्ड ने स्वीकार किया कि मैच के दौरान यह बात उनके दिमाग में थी। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैंने मैच जीता, और मैं पूरे मैच के दौरान शांत रहा। उन्होंने कहा, गेल के खिलाफ खेलना कभी आसान नहीं होता... आपको हर गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत होती है।

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए मुंबई की 16 सदस्यीय टीम में शामिल हुए तनुश कोटियन

मुंबई।
ईरानी कप में अच्छे प्रदर्शन के बाद तनुश कोटियन को 11 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले दो राउंड के लिए 16 सदस्यीय मुंबई टीम में शामिल किया गया है।

रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप ए में, मुंबई शुक्रवार को वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में बड़ौदा से भिड़ेगी। रणजी ट्रॉफी में एलीट ग्रुप ए की अन्य टीमें जम्मू और कश्मीर, सर्विसेज, मेघालय, त्रिपुरा और ओडिशा हैं। मुंबई 18 अक्टूबर से शरद पवार क्रिकेट अकादमी में महाराष्ट्र की मेजबानी करेगी।

राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेटर कोटियन अच्छी फॉर्म में हैं और वह मौजूदा रणजी ट्रॉफी अभियान में आगे बढ़ रहे हैं। कोटियन पिछले महीने अनंतपुर में दलीप ट्रॉफी 2024 जीतने वाली इंडिया ए टीम का हिस्सा थे। 25 वर्षीय तनुश ने तीन मैचों में 22.00 की औसत और 45.60 की शानदार स्ट्राइक रेट से 10 विकेट लिए। उन्होंने 121 रन भी बनाए।

दलीप ट्रॉफी जीतने के बाद, इस ऑलराउंडर ने मुंबई को 27 साल बाद ईरानी कप जीतने में मदद की। उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक बनाया और दूसरी पारी में नाबाद शतक जड़कर अपनी टीम को खतरनाक स्थिति से उबारा। उन्होंने उसी मैच में तीन विकेट भी लिए।

तनुश ने पिछले साल रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दिया और 29 विकेट लिए और 500 से अधिक रन बनाए। वे प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे। अजिंक्य रहाणे टीम की अगुआई करेंगे और उन्हें पृथ्वी शॉ, शार्दुल ठाकुर और श्रेयस अय्यर की सेवाएं मिलेंगी।

मुंबई क्रिकेट टीम- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), पृथ्वी शॉ, आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, सूर्यांश शेडगे, हार्दिक तामोरे (विकेटकीपर), सिद्धांत अधातराव (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, मोहम्मद जुनेद खान, रॉयस्टन डायस।

मेसी वेनेजुएला के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में अर्जेंटीना के लिए खेलने को तैयार, मैक एलिस्टर पर संदेह

फ्लोरिडा।
अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसीदक्षिण अमेरिकी फुटबॉल परिसंघ (कॉनमेबोल) विश्व कप क्वालीफायर में वेनेजुएला के खिलाफ वापसी के लिए तैयार हैं, लेकिन मिडफील्डर एलेक्सिस मैक एलिस्टर की उपलब्धता संदेह में है, मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने उक्त जानकारी दी।

अर्जेंटीना को वेनेजुएला और बोलीविया के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए मेसी की वापसी से बढ़ावा मिला है, क्योंकि 37 वर्षीय खिलाड़ी दाएं टखने की चोट से उबर चुके हैं, जो उन्हें जुलाई में कोलंबिया के खिलाफ कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान लगी थी। मेसी, जो मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी के लिए खेलते हैं, चिली और कोलंबिया के खिलाफ क्वालीफायर से चूक गए थे। स्कोलोनी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, मेसी ठीक हैं। उन्होंने पिछले कुछ हफ्तों में अपनी टीम के लिए कई मैच खेले हैं, वह टीम के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं और

वेनेजुएला के खिलाफ खेलने के लिए टीम का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं। पिछले सप्ताहांत प्रीमियर लीग में क्रिस्टल पैलेस पर क्लब की 1-0 की जीत के दौरान लिवरपूल के मैक एलिस्टर को हाफ टाइम पर बदल दिया गया था।

स्कोलोनी ने कहा, मैक एलिस्टर अलग से प्रशिक्षण ले रहा है। हम देखेंगे कि वह पहले गेम में खेल पाता है या नहीं। अभी तक, वह हमारे साथ नहीं जुड़ पाया है, और, ठीक है, हम निर्णय लेंगे कि वह टीम का हिस्सा होगा या बेंच पर या वह गुरुवार को खेलेगा। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें उसका ख्याल रखना होगा। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जिसने बहुत सारे मैच खेले हैं और आज यही स्थिति है। हमें उम्मीद है कि हम और कोई खिलाड़ी नहीं खोएँगे क्योंकि बाद में स्थिति बदल सकती है।

अर्जेंटीना को आज माटुरिन के मोनुमेंटल स्टेडियम में वेनेजुएला का सामना करना है, और फ्लोरिडा में इंटर मियामी के प्रशिक्षण केंद्र में टीम के प्रशिक्षण के साथ, स्कोलोनी ने कहा कि उनकी टीम तूफान मिल्टन के बारे में चिंतित थी।

तूफान मिल्टन मंगलवार को फ्लोरिडा के क्षतिग्रस्त खाड़ी तट की ओर एक विशाल श्रेणी 5 तूफान के रूप में बढ़ गया, जिससे भारी ट्रैफ़िक जाम और ईंधन की कमी हो गई क्योंकि अधिकारियों ने 1 मिलियन से अधिक लोगों को टैम्पा खाड़ी क्षेत्र में आने से पहले भागने का आदेश दिया।

उन्होंने कहा, सच्चाई यह है कि प्रशिक्षण स्थल एकदम सही है, हम अच्छा काम करते हैं, लेकिन यह हमेशा इस मुद्दे के इर्द-गिर्द रहता है और खासकर जब सुरक्षा का मुद्दा होता है, तो यह एक नाजुक मुद्दा होता है, मैच महत्वपूर्ण है, लेकिन सुरक्षा उससे कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण है। इसलिए जब हवा, तूफान, पास में होता है, हवाई अड्डा बंद हो जाता है, तो, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं, यह आपको चिंतित करता है। हम चिंतित हैं और हम यह देखने का इंतज़ार कर रहे हैं कि क्या यह सच है कि हम कल निकल सकते हैं, वे कहते हैं कि हम दोपहर में निकल पाएंगे। हमारे पास कोई निश्चितता नहीं है, लेकिन ठीक है, उस तरफ़ हम चिंतित हैं।

एलएलसी 2024: इंडिया कैपिटल्स का लक्ष्य प्लेऑफ में जगह पक्की करना

श्रीनगर।
जीएमआर ग्रुप की फ्रेंचाइज़ी इंडिया कैपिटल्स, बक्शी स्टेडियम में मणिपाल टाइगर्स के खिलाफ मुकाबले में जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ में अपनी जगह पक्की करने और दूसरे स्थान पर पहुंचने की कोशिश करेगी।

अपने पिछले मैच में आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत हासिल करने के बाद, कैपिटल्स का लक्ष्य लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) सीजन 3 के ग्रुप स्टेज को शानदार तरीके से खत्म करना है। 6 अंकों के साथ और गुजरात ग्रेट्स पर ताज़ा जीत के बाद, कैपिटल्स वर्तमान में अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं, मणिपाल टाइगर्स 7 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। इस उच्च-दांव वाले मुकाबले में जीत कैपिटल्स को न केवल प्लेऑफ़ में जगह दिलाएगी बल्कि शीर्ष-दो स्थान को सुरक्षित करने के लिए उनकी दावेदारी को भी मजबूत करेगी। इंडिया कैपिटल्स और मणिपाल टाइगर्स के बीच यह मुकाबला 10 अक्टूबर 2024 (गुरुवार) को खेला जाएगा।

इंडिया कैपिटल्स इस मैच में गुजरात ग्रेट्स पर हौसला बढ़ाने वाली जीत के साथ उतरेगी, जहां कप्तान इयान बेल ने 49 गेंदों पर नाबाद 41* रनों की सूझ-बूझ भरी पारी खेलकर टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई थी। टीम की गेंदबाज़ी, जिसमें इक़बाल अब्दुल्ला और धवल कुलकर्णी ने प्रमुख भूमिका निभाई है, पूरे सीज़न में उनकी ताकत रही है। खासकर इक़बाल अब्दुल्ला ने नियमित रूप से महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट लिए हैं और बेहतरीन फॉर्म में हैं।

बल्लेबाजी के मोर्चे पर, कैपिटल्स ने चमकदार प्रदर्शन किया है, जिसमें भरत चिपली, बेन डंक और कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने अहम मौकों पर योगदान दिया है। हालांकि, मणिपाल टाइगर्स के मजबूत गेंदबाज़ी आक्रमण का सामना करने के लिए शीर्ष क्रम को दबाव में प्रदर्शन करना होगा।

इंडिया कैपिटल्स के कप्तान इयान बेल ने कहा,

हमें पता है कि यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मैच है। पिछले मैच में हमने जबरदस्त धैर्य दिखाया था, और अब हमारे पास शीर्ष-दो में जगह बनाने का मौका है, जिससे हमें प्लेऑफ़ में एक मज़बूत बढ़त मिलेगी। टीम पूरी तरह से एकजुट है और हम जानते हैं कि इस मुकाबले में क्या दांव पर लगा है। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और लीग स्टेज को सकारात्मक तरीके से समाप्त करेंगे।

दूसरी ओर, मणिपाल टाइगर्स, जिनके कप्तान हरभजन सिंह हैं, इस सीज़न में लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और वर्तमान में अंकतालिका में दूसरे स्थान पर हैं। गुजरात ग्रेट्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में ऑलराउंडर थिसारा परेरा ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया था। 7 अंकों के साथ, वे जीत दर्ज कर प्लेऑफ़ में अपनी गति को बनाए रखने की कोशिश करेंगे। टाइगर्स का मध्यक्रम, जिसमें रॉबिन उथप्पा, मनोज तिवारी और डैन क्रिस्टियन शामिल हैं, ने लक्ष्य का पीछा करने और टीम को स्थिरता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई है।

हरभजन सिंह की अगुवाई में मणिपाल टाइगर्स का गेंदबाज़ी आक्रमण कैपिटल्स की बल्लेबाज़ी की गहराई को परखने के लिए तैयार होगा, खासकर श्रीनगर की पिच पर स्पिन एक प्रमुख भूमिका निभा सकता है। दोनों टीमों के बीच प्लेऑफ़ स्थान के लिए होने वाला यह रोमांचक मैचों में से एक हो सकता है, जो दोनों टीमों के अभियान के लिए निर्णायक साबित होगा।

इंडिया कैपिटल्स की टीम

इयान बेल (कप्तान), किर्क एडवर्ड्स, ड्वेन स्मिथ, बेन डंक, नमन ओझा, कॉलिन डी ग्रैंडहोम, इक़बाल अब्दुल्ला, ध्रुव रावल, धवल कुलकर्णी, एशली नर्स, परविंदर अवाना, पंकज सिंह, पवन सुयाल, क्रिस म्पोफु, बरिंदर सरन, भरत चिपली, और फैज़ फ़ज़ल।

मणिपाल टाइगर्स की टीम

हरभजन सिंह (कप्तान), रॉबिन उथप्पा, थिसारा परेरा, शेल्डन कॉट्रेल, डैन क्रिस्टियन, एंजेलो परेरा, मनोज तिवारी, असेला गुणारत्ने, सोलोमन मायर, अनुरीत सिंह, अबू नेचिम, अमित वर्मा, इमरान खान, राहुल शुक्ला, अमितोज सिंह, प्रवीण गुप्ता और सौरभ तिवारी।

पढ़ाया जाएगा, कब और कितनी पिएं शराब

इटली के प्राइमरी स्कूलों में बच्चों को शराब पीने का पाठ पढ़ाया जाएगा। छात्रों को यह साप्ताहिक क्लास दी जाएगी, जिसमें उन्हें यह बताया जाएगा कि शराब कितनी मात्रा में पी जानी चाहिए। इस क्लास में छह साल तक की उम्र के बच्चों को शामिल किया जाएगा। इस क्लास में बताया जाएगा कि आखिर हमें कितनी शराब पीनी चाहिए ताकी हम बेकाबू न होने पाएं। इस तरह की पढ़ाई के लिए संसद में एक विधेयक पेश किया जाना है, जिसमें इटली की संस्कृति को बचाए रखने पर जोर

दिया जाएगा। इस बिल का नॉर्दन इटली के ब्रेस्सिया में पहले ही अनुपालन हो रहा है। यहां बच्चों के देश में शराब के योगदान के बारे में बताया जा रहा है। द टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसकी शुरुआत स्थानीय राजनीतिज्ञों ने की है। इस साल गर्मियों से ही इसे पढ़ाना शुरू कर दिया जाएगा। इस संसदीय विधेयक को लाने की योजना बनाने वाले डारियो स्टेफानो ने कहा कि बच्चों को इस बारे में बताया जाएगा कि देश में शराब का क्या योगदान है और इसे कैसे बनाया जाता है।

बेकार नहीं हैं नींबू के छिलके

नींबू के फायदों के बारे में तो हम सब जानते हैं। लेकिन, क्या आप नींबू के छिलकों के फायदों और पोषक गुणों के बारे में जानते हैं। नींबू के छिलके में कैल्शियम और विटामिन सी होता है, जो हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। यह हड्डियों से जुड़ीं बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, रहेयूमेटॉयड अर्थराइटिस और इंफ्लेमेटरी पोलीअर्थराइटिस से भी बचाने में मदद करता है।

शरीर में ज्यादा आयरन से होते हैं ये रोग

कई बार लोग शरीर में कैल्शियम की कमी होने से बहुत अधिक मात्रा में आयरन का सेवन करने लगते हैं। जिससे शरीर में आयरन अधिक की मात्रा हो जाती है। क्या आपको मालुम है शरीर में आयरन की अती होने से शरीर खतरनाक बीमारियों का घर बन जाता है। इन खतरनाक बीमारियों के बारे में जानते हैं।

आयरन की अधिकता

शरीर में आयरन की कमी से बाल झड़ने व एनीमिया रोग की समस्या पैदा होती है। इसी कारण आयरन शरीर के लिए काफी जरूरी माना जाता है। एक इंसान को फिट और हेल्दी रहने के लिए रोज 21 मिलीग्राम आयरन लेना चाहिए। लेकिन क्या आपको मालुम है की शरीर में आयरन की मात्रा अधिक होने से भी कई सारी बीमारियां होती हैं।

दिल की बीमारियां

आयरन की अधिकता का सबसे ज्यादा असर दिल पर पड़ता है और इससे दिल की अनेक तरह की समस्या उत्पन्न होती है। शरीर में आयरन की अधिकता होने से दिल के टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज हो जाते हैं। कई बार टिश्यू ऑक्सीडेटिव डैमेज इतना हो जाता है कि हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है।

लीवर डैमेज

कई बार आयरन की अती होने से लीवर भी डैमेज हो जाता है। किसी इंसान के शरीर में अगर आयरन की मात्रा बढ़ती है तो लीवर में प्रेशर बढ़ने लगता है जिससे लीवर के टिश्यू का ऑक्सीकरण सही से नहीं हो पाता और वो डैमेज होने लगते हैं। कई बार लीवर के कैंसर का खतरा भी उत्पन्न हो जाता है।

कैंसर

शरीर में आयरन की अधिक मात्रा होने से कई बार कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसा शरीर में आयरन सही से फिल्टर नहीं होने के कारण होता है। जिसकी वजह से शरीर में टॉक्सिन और फ्री रैडिकल बढ़ जाते हैं, जो कि कैंसर का कारक होते हैं।

ऑस्टियोपोरोसिस

आयरन की कमी से हड्डियां कमजोर होती हैं तो आयरन की अती से भी हड्डियों के कमजोर होने की संभावना रहती है। हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार, शरीर में आयरन की अधिक मात्रा से हड्डियों के गठन और कैल्शियम के अवशोषण की हड्डी से जड़े ऑक्सीडेशन व एंटी-ऑक्सीडेशन तंत्र में असंतुलन की स्थिति पैदा होती है। इस स्थिति में शरीर का लंबे समय तक रहने से ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या हो जाती है।

बुढ़ापे में बीमारियों से बचाएगा टीकाकरण

बच्चे के जन्म लेने के बाद से ही उसे बीमारियों से बचाए रखने के लिए पूरे साल न जाने कितने टीके लगवाए जाते हैं। ताकि साल भर वे हेल्दी और स्वस्थ रह सके। लेकिन क्या आप जानते हैं, ऐसा बुजुर्गों के लिए भी जरूरी हो गया है। जी हां, अगर आप चाहते हैं कि आप खुद या आपके माता-पिता रोग मुक्त जीवन जीएं, तो उनके लिए टीकाकरण जरूरी है।

यह टीका हर साल होने वाली जानलेवा बीमारियों से बचाने में बेहद मदद करता है। आज भी 50 फीसदी वरिष्ठ नागरिकों को इस टीकाकरण और इसे न लगवाने पर होने वाले नुकसानों के बारे में जानकारी नहीं है। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं- यह एक पुरानी कहावत है। यह हमारी सेहत पर भी उतनी ही लागू होती है। जब हम युवा होते हैं तो अपनी सेहत का ध्यान न रखने से होने वाले नुकसानों को नजरअंदाज कर देते हैं। और जब हम बूढ़े हो जाते हैं, तो हमें बहुत सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उस वक्त हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। कई बार हम यह भी सोचते हैं कि एक बार टीका लेना काफी है। लेकिन जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है इस टीकाकरण का असर कम होने लगता है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अनुसार उम्र बढ़ने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती जाती है। इस वजह से युवाओं के मुकाबले बड़ी उम्र वालों में रोकी जा सकने वाली बीमारियां होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

उन्होंने कहा, अगर वह पहले से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों जैसे कि दिल की बीमारियां, हाईपरटेंशन, डायबिटीज या ऑब्स्ट्रक्टिव प्लमनरी डिजीज से जुड़ जाती हैं तो यह जानलेवा साबित हो सकता हैं। आम तौर पर होने वाली बीमारियां फ्लू, हैपेटाइटिस-ए, हैपेटाइटिस-बी होती हैं। इन हालतों को देखते हुए कुछ टीका 65 साल की उम्र के बाद देनी जरूरी हो जाता है। बच्चों को चाहिए कि उनके अभिभावक यह टीका लें ताकि वह लंबी और सेहतमंद जिंदगी जी सकें।

इन बातों का रखें ध्यान

- फ्लू वैक्सीन 6 महीने या उससे बड़े सभी व्यक्तियों को देने की सलाह दी जाती है।
- निमूनिया वैक्सीन 65 साल या उससे ज्यादा उम्र के लोगों को दी जानी चाहिए।
- टेटनस टॉक्साईड हर 10 साल बाद देते रहना चाहिए।
- अगर पहले ना लगी हो तो सभी को हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए।
- 60 साल या उससे ज्यादा उम्र वाले को डायबिटीज है तो उन्हें हैपेटाइटिस-बी की वैक्सीन देनी चाहिए। आगे चल कर ब्लड ग्लूकोज की मॉनीटरिंग की अधिक आवश्यकता के लिए यह वैक्सीन लगवाने की सलाह दी जाती है।

जानिए प्लास्टिक बोतल के नीचे लिखे नंबर का मतलब

अगर आप किसी भी प्लास्टिक कंटेनर, वॉटर बॉटल्स या प्लास्टिक पैकेज्ड प्रोडक्ट को उल्टा करेंगी तो आप पाएंगी कि नीचे एक छोटा सा ट्राइएंगल है और इसमें एक नंबर या अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखे होते हैं। दरअसल यह नंबर या अक्षर उन कैमिकल्स के बारे में बताता है, जो उस विशेष प्लास्टिक प्रॉडक्ट को बनाने में इस्तेमाल हुआ है...

पॉलीएथीलीन टेरेफथैलेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। आप इसे कोल्ड ड्रिंक या वॉटर वॉटल्स के नीचे पाएंगी। यह प्लास्टिक केवल एक बार इस्तेमाल के लिए ही बनी होती है। पैट प्लास्टिक को दोबारा इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि अगर आप इसे साबुन या डिटर्जेंट की मदद से साफ करती हैं या अधिक तापमान पर रखती हैं तो संभव है कि प्लास्टिक में मिले केमिकल्स पानी के साथ मिल जाएं। ये केमिकल्स हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छे नहीं होते। इन बोतलों को दोबारा इस्तेमाल न करें।

हाई डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह प्लास्टिक पेट्रोलियम से बनी होती है और ज्यादातर प्लास्टिक बैग, ऑयल बॉटल्स, जूस बॉटल्स, मक्खन या योगर्ट टब्स बनाने में इस्तेमाल होती है। यह प्लास्टिक हार्ड और अपारदर्शी होती है और उच्च तापमान पर भी अप्रभावित रहती है। यह हानिकारक केमिकल्स नहीं निकालती और दोबारा इस्तेमाल की जा सकती है। इस प्लास्टिक की रीसाइक्लिंग दर सभी प्लास्टिक में सबसे ज्यादा है।

विनायल या पीवीसी : यह थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है और अक्सर डिटर्जेंट और विंडो क्लीनर बॉटल्स में पाया जाता है। जिन बॉटल्स पर पीवीसी या 3वी लिखा होता है, वे बहुत नुकसान करती हैं और आपको उन्हें इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ये बॉटल्स हानिकारक केमिकल्स निकालती हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी नहीं किया जाता।

लो डेंसिटी पॉलीएथीलीन: यह थर्मोप्लास्टिक भी पेट्रोलियम से बनी होती है और या तो अपारदर्शी होती है या फिर पारभासी। इसका इस्तेमाल शॉपिंग बैग्स, फूड रैप्स और ब्रेड बैग्स बनाने में होता है। यह प्लास्टिक हमारी सेहत के लिए नुकसानदायक नहीं है क्योंकि इससे कोई हानिकारक पदार्थ या केमिकल नहीं निकलता।

पॉलीप्रॉपाइलीन: पॉलीप्रॉपाइलीन या पीपी थर्मोप्लास्टिक पॉलीमर है। यह कठोर, मजबूत होता है और इसकी प्रतिरोधक क्षमता भी ज्यादा होती है। इसलिए इसे सबसे सुरक्षित प्लास्टिक माना गया है। पीपी साइन दवाइयों की शीशी, केचप या अन्य दबाने वाली बॉटल्स में पाया जा सकता है। इस प्लास्टिक को रीसाइकल भी किया जाता है।

पॉलीस्टाइरीन: पी एस भी एक पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक है, जिसे इंसुलेशन और पैकेजिंग मटैरियल्स में इस्तेमाल किया जाता है। आप इस साइन को डिस्पोजेबल कंटेनर्स या एग कार्टन्स में देख सकती हैं। प्लास्टिक के इस रूप को रीसाइकल करना बहुत ही मुश्किल है।

पॉलीकार्बोनेट: यह प्लास्टिक सबसे ज्यादा खतरनाक होता है क्योंकि यह बीपीए केमिकल्स छोड़ता है। इसका इस्तेमाल फूड कंटेनर्स और तीन से पांच गैलन की वॉटर बॉटल्स बनाने में होता है। यह रीसाइकल भी नहीं किया जा सकता।

लौकी के जूस में शहद मिलाएं और फिर देखिए जादू

क्या आप जानते हैं कि लौकी के जूस में शहद मिला कर पीने से आपको 7 तरह की बीमारियों से निजात मिल सकती है? इस जूस को बनाना काफी आसान है, बस ताजी लौकी के कुछ फ्रेश पीस को ब्लेंडर में डालिए और उसके साथ 1 चम्मच शहद मिलाइए। फिर इसे ब्लेंड कीजिए और यह जूस पीने के लिए तैयार हो जाएगा। जूस बनाने से पहले लौकी के छोटे पीस को जरुर चखना चाहिए, अगर यह तीखी है तो इसका जूस ना बनाएं। तो आइए अब जानते हैं इसके 7 स्वास्थ्य लाभ क्या हैं-

पाचन शक्ति बढ़ाए- अगर रह रह कर आपको एसिडिटी और कब्ज की समस्या रहती है, तो लौकी का जूस पिएं। इससे पेट में एसिड का लेवल न्यूट्रलाइज हो जाएगा और पेट की सारी समस्या दूर हो जाएगी। इस जूस को पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है और फैट जल्दी बर्न होता है।

यूटीआई ठीक करे- मूत्र पथ संक्रमण की समस्या इस जूस के नियमित सेवन से ठीक होती है। यह यूरीन से एसिड के लेवल को कम करता है। इसे पीने से नसें चौड़ी हो जाती हैं जिससे शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है।

प्रेगनेंसी में जरूर पिएं- लौकी तथा शहद, दोंनो ही चीजों में विटामिन, कैल्शियम और फोलेट पाए जाते हैं, जिससे हर प्रेगनेंट महिला को पीना चाहिए। **किसी भी उपाय को करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।**

सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद का ध्यान रखना जरूरी

बिना सोचे-समझे न खाएं सलाद

हम सब जानते हैं कि एक कटोरी भर सलाद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत बढ़िया होता है, परंतु सही संतुलन, अनुपात, रंग और स्वाद कैसे प्राप्त किया जाए यह एक प्रमुख प्रश्न है जो हमें भयभीत करता रहता है। इसलिए जरूरी ये है कि हम सलाद का सेवन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि उसे किस अनुपात में खाना है। आज हम आपको बताते हैं सलाद के बारे में कुछ बुनियादी बातें।

मीठे के स्थान पर कर सकते हैं सेवन

बहस लगातार जारी है कि आपको सलाद का सेवन कब करना चाहिए। भोजन से पहले या बाद में। यदि मुख्य भोजन के बाद सलाद का सेवन किया जाए तो ये फायदेमंद होता है। इसके अलावा मीठे के स्थान पर सलाद का इस्तेमाल ज्यादा बेहतर होता है।

इससे बनेगी रुचि

काबुली चने तथा अन्य अंकुरित खाद्यों को एक तरफ रखकर प्रति सप्ताह सलाद में कुछ नया शामिल करें। ताजा जड़ी-बूटियों, चुकंदर के टुकड़ों, एवेकाडो, कम फैट वाला, गोटा चीज या ताकत से भरपूर कद्दू के बीजों का सेवन करें। ये न सिर्फ आपकी सलाद में रुचि बनाए रखेंगे, बल्कि कुछ अलग पोषक तत्व और स्वाद भी आपके सलाद में शामिल करेंगे।

इसमें विटामिंस ज्यादा

हरे रंग के सभी सलाद स्वास्थ्यवर्धक नहीं होते। आइसबर्ग लैट्यूस सलाद की प्लेट में आकर्षक और कुरकुरा तो लगता है, परंतु पोषण के मामले में यह बहुत बढ़िया नहीं होता। इसकी बजाय गहरे रंग वाले पत्तों का सेवन करें जैसे पालक, राकेट लीव्स, रैड एंड ग्रीन लीफ, तथा रोमेन लैट्यूस को सलाद में शामिल करें। इनमें विटामिन्स मिनरल्स अधिक मात्रा में मौजूद होते हैं।

क्रंच से बचें...

क्रिस्पी नूडल्स या क्रन्च (ब्रैड के कुरमुरे टुकड़े) को अपने थाई या एशियाई सलाद चाहे आपको अत्यधिक स्वादिष्ट लगता हो, परंतु यह आपकी कमर के लिए ठीक नहीं है। क्रूटन्स को प्रोसैस्ड व्हाइट ब्रेड से तैयार किया जाता है जिसका अर्थ है खाली कार्बोहाइड्रेट्स तथा कैलोरीज की अधिकता जिस प्रकार का क्रंच आप चाहते हैं उसके लिए अखरोट या सिंघाड़ों का सेवन बढ़िया रहता है।

ऑफिस में तनाव व काम के दबाव से मुक्ति पाएं

अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं। यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है।

अक्सर आफिस के किसी कर्मचारी को सोते देख उसके बॉस की भौंहें तन जाती हैं और वह उसकी मेज पर जोर से हाथ मारते हैं ताकि कर्मचारी जागकर अपने काम पर लग सकें। ऐसे लोग बॉस की नजरों में लापरवाह होते हैं पर ऐसा जरूरी नहीं। न्यूयार्क में हुए नए शोध बताते हैं कि यदि आप काम के बीच थोड़ी-सी नींद लेते हैं तो इससे आपकी याददाश्त तेज होती है और बुद्धि में भी बढ़ोतरी होती है। अध्ययन में स्वैच्छिक कर्मचारियों को 2 वर्गों में बांटा गया व उन्हें शब्द दिए गए। थोड़ी देर बाद एक वर्ग ने 47 मिनट की नींद ली व दूसरे ग्रुप ने पत्रिका पढ़ कर व फिल्में देख कर यह समय व्यतीत किया। जब 6 घंटों बाद उन दोनों का दोबारा टेस्ट लिया गया तो पाया गया कि जिन लोगों ने नींद ली थी उन्होंने महत्वपूर्ण तथ्य आसानी से याद कर लिए थे। दूसरे वर्ग की बजाय उन्होंने 15 प्रतिशत अधिक शब्दों को याद किया। शोधकर्ताओं के मुताबिक अच्छी व छोटी-सी नींद तनाव व काम के दबाव से मुक्ति दिलाती है क्योंकि नींद के दौरान क्षतिग्रस्त कोशिकाएं पुनर्जीवित हो जाती हैं इसलिए व्यक्ति की याद करने की क्षमता पुनः तीव्र हो जाती है।

मैनेजमैंट टिप्स: बड़े विचारों को सरलता से पकड़ें...

अच्छे विचारों को लिखने और उनसे फायदा उठाने के लिए अपनी स्मृति या ब्लैकबेरी पर भरोसा न करें। पुराने जमाने के लोगों की तरह 3 गुणा 5 के इंडैक्स काड्र्स का उपयोग करें। उन्हें अपने साथ जेब में रखें और जब भी कोई अच्छा विचार सुनें तो उसे एक कार्ड पर लिख लें। भौतिक रूप से कार्ड साथ रखने का नतीजा होगा कि आप हर शाम को उन पर विचार करने के लिए विवश हो जाएंगे। इसके अलावा विचारों को लिखने के कार्य से उन्हें याद रखने और आत्मसात करने में भी मदद मिलती है। साथ ही जेब में खाली कार्ड होने से आपको हमेशा याद रहेगा कि आपको नए विचारों की तलाश करनी है और सबसे महत्वपूर्ण बात, सुनना है।

रेसिपी

कोर्न करी

सामग्री

11/2 कप उबले हुए मीठी मकई के दानें, 2 स्पून तेल, 2 दालचीनी टुकड़ा, 2 लौंग, 2 इलायची, 1 स्पून कोर्नफ्लार , 2 कप नारीयल दुध मे घुला, नमक स्वादअनुसार। **हरा पेस्ट बनाने के लिये:** 11/2 कप हरा धनिया, 1/4 कप प्याज, 2 स्पून ताज़ा कसा हुआ नारीयल, 7 लहसुन की कलियां, 2 अदरक के टुकड़े, 4 स्पून खसखस, 6 हरी मिर्च,1 स्पून नींबू का रस, **परोसने के लिए:** रोटी/पराठे,स्टीम्ड चावल

विधि

कढ़ाई मे तेल गरम करें, तैयार हरा पेस्ट, दालचीनी, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट भूने। मीठे मकई के दाने डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 1 मिनट तक पकाएं। कोर्नफ्लार-नारीयल के दुध का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए, 5 से 6 मिनट तक पकाएं। रोटी या पराठे और चावल के साथ गरमा गरम परोसें।

उड़द दाल विथ पनीर

सामग्री

3/4 कप उड़द दाल, 1/2 कप छोटे पनीर के टुकड़े, 1/2 टी-स्पून हल्दी, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टी-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

एक गहरे बर्तन में उड़द दाल को पर्याप्त पानी का उपयोग करते हुए 1 घंटा पहले भिगोए और अच्छे से छान लीजिए। प्रेशर कुकर में उड़द दाल, 1/4 टी-स्पून हल्दी, नमक और 1 1/4 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और 1 सिटी आने तक प्रेशर कुकर में पकाइए। ढककन खोलने से पहले भांप को निकल जाने दीजिए। छानिए और एक तरफ रख दीजिए। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए, उसमे पनीर डालिए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट या पनीर का हल्का भूरा रंग होने तक भूनिए। आंच पर से हटाए और एक तरफ रख दीजिए। उसी कढ़ाई में जीरा डालिए। जब जीरा चटखने लगे, उसमे प्याज़ डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे टमाटर, हरी मिर्च, लाल मिर्च का पाउडर, बचा हुआ 1/4 टी-स्पून हल्दी, 2 टेबल-स्पून पानी और नमक डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे पकाई हुई उड़द दाल डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट पकाइए। उसमे भुना हुआ पनीर और धनिया डालकर, हल्के से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट ओर, बीच-बीच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**